CMYK

Dainik DEVVRAT

दैनिक देवव्रत

www.dainikdevvrat.in

आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 36, अंक 252
पृष्ठ 08, मूल्य 3.00
10 जून 2026, बुधवार

लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित

E-mail : dainikdevvrat@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

PMO तक पहुंचा राम मंदिर दान विवाद

नृपेंद्र मिश्र ने किया गोपनीय बैठक, अयोध्या में हलचल

अयोध्या/नई दिल्ली, 09 जून (देवव्रत संवाद)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान राशि की कथित हेराफेरी का मामला अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक पहुंच गया है। भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह द्वारा प्रधानमंत्री को भेजे गए शिकायती पत्र के बाद सोमवार को राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री के पूर्व प्रमुख सचिव नृपेंद्र मिश्र का अचानक अयोध्या दौरा राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया। सूत्रों के अनुसार नृपेंद्र मिश्र ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों और मंदिर प्रशासन से जुड़े अधिकारियों के साथ बंद कमरे में लंबी बैठक की। बैठक को पूरी तरह गोपनीय रखा गया और इसकी कार्यसूची को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। बैठक के बाद मंगलवार सुबह उनके दिल्ली रवाना होने से अटकलों का दौर और तेज हो गया है।

माना जा रहा है कि हाल के दिनों में सामने आए दान राशि विवाद और उससे जुड़े घटनाक्रमों पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शीर्ष स्तर तक भेजी जा सकती है। ऐसे समय में जब मंदिर की दान व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं, नृपेंद्र मिश्र का यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उधर, भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में पूरे मामले की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े श्रीराम मंदिर में दान, चढ़ावे और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर उठे आरोपों की पारदर्शी जांच आवश्यक है। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि यदि आरोप निराधार हैं तो जांच के जरिए सच्चाई सामने आनी चाहिए और यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं के विश्वास को सर्वोपरि बताते हुए जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस बीच दान राशि विवाद अब राजनीतिक रंग भी ले चुका है। विपक्ष लगातार सरकार और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है, जबकि सत्तारूढ़ दल के भीतर से भी जांच की मांग उठने से मामला और संवेदनशील हो गया है।

चढ़ावे में चोरी का पाप करने वालों को कौन बचा रहा-अखिलेश

लखनऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद/संजय दीक्षित)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राम मंदिर दान विवाद को लेकर लगातार तीसरी बार सोशल मीडिया मंच एक्स पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूरे प्रकरण को 'चढ़ावा चोरी कांड' बताते हुए भाजपा सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से 11 सवाल पूछे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि ट्रस्ट के जिम्मेदार लोगों के बयान परस्पर विरोधी हैं और जनता के सामने सच्चाई स्पष्ट नहीं हो पा रही है। उन्होंने दावा किया कि हेराफेरी में संलिप्त लोगों को हिरासत में लिए जाने की खबरें विभिन्न मीडिया माध्यमों में प्रसारित हुईं, लेकिन बाद में पुलिस की ओर से खंडन सामने आया। उन्होंने सवाल किया कि आखिर देश की सनातन आस्था से खिलवाड़ करने वालों को संरक्षण कौन दे रहा है? चढ़ावे में चोरी का पाप करने वालों को कौन बचा रहा है? इस कथित अपराध के तार किन–किन लोगों से जुड़े हैं? यदि सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध हैं तो उन्हें सार्वजनिक करने में क्या दिक्कत है? अखिलेश यादव ने ष्डबल इंजन सरकारष पर भी निशाना साधते हुए पूछा कि इस पूरे मामले में उसकी जवाबदेही क्या है और अब तक स्पष्ट कार्रवाई क्यों नहीं हुई है। मुख्य सवाल–हेराफेरी के आरोपियों पर कार्रवाई क्यों नहीं? सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही? विरोधाभासी बयान कौन दे रहा है? श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा कौन करेगा? कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच कब होगी? दान राशि विवाद पर बढ़ती राजनीतिक बयानबाजी और पीएमओ तक पहुंची शिकायत के बाद अब सभी की निगाहें संभावित जांच और सरकार की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

अब नेपाल ने भी लगाया भारत के आमों पर प्रतिबंध

जापान पहले ही ठुकरा चुका है

काठमांडू, 09 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। नेपाल ने भारतीय आमों के आयात पर प्रतिबंध लगाया है। एक अधिकारी ने बताया कि इन फलों में कथित तौर पर अधिक मात्रा में कीटनाशक पाए जाते हैं। इसके साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में संगरोध सुविधाओं की कमी है। प्रतिबंध के कारण, स्थानीय बाजार अब घरेलू स्तर पर उगाए गए आमों से भरे पड़े हैं। ग्रीष्म ऋतु में आमों की अधिक मांग रहती है। हाल ही में जापान ने भी भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। मधेस प्रांत के भूमि प्रबंधन, कृषि और सहकारिता मंत्रालय के सूचना अधिकारी अजय ग्यावली ने कहा कि भारत से आमों के आयात पर प्रतिबंध ने स्थानीय किसानों को प्रोत्साहित किया है, क्योंकि इस मौसम में उन्हें भारतीय फलों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करनी पड़ेगी। उन्होंने आगे कहा, इससे स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिला है। जो एक सकारात्मक विकास है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि देश भर में आमों की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उत्पादन अपर्याप्त हो सकता है। ग्यावली के अनुसार, मधेश प्रांत के सिराहा, सप्तरी और धनुषा जिले आम के प्रमुख उत्पादक हैं। नेपाल में आमों का उत्पादन मई के मध्य से जुलाई के मध्य तक होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिबंध से आम पर आधारित कुछ उद्योगों, जैसे फलों के रस निर्माताओं, पर भी असर पड़ सकता है। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, पूरे वर्ष फलों की मांग को पूरा करने के लिए भारत से आमों का आयात करना जरूरी है, क्योंकि नेपाली आमों का उत्पादन केवल दो महीनों तक ही सीमित है।

जनकपुरधाम में फल और सब्जी व्यापारी संघ के महासचिव भुवनेश्वर पुरबे ने कहा कि भारतीय आयात को रोकने से घरेलू बाजार में कमी हो सकती है। द राइजिंग नेपाल दैनिक के अनुसार, उन्होंने सरकार को सलाह दी कि आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय संगरोध प्रणालियों को मजबूत किया जाए और उचित गुणवत्ता परीक्षण के बाद भारतीय फलों को नेपाली बाजार में प्रवेश करने की अनुमति दी जाए।

उनके अनुसार, हालांकि जनकपुरधाम में पड़ोसी जिलों से 50 टन से अधिक आम आते हैं, जिनकी आपूर्ति बाद में काठमांडू और देश के अन्य हिस्सों में की जाती है, लेकिन अकेले स्थानीय उत्पादन पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि काठमांडू में आम की कीमत, जो वर्तमान में लगभग 100 से 150 नायरा प्रति किलोग्राम है। आने वाले दिनों में और भी बढ़ सकती है। अगर भारत से फल के आयात पर लगाया गया प्रतिबंध नहीं हटाया जाता है। भारत से केले के आयात पर रोक लगने के बाद, जो फल पिछले साल तक लगभग 120–150 नायरा प्रति दर्जन बिकता था, उसकी कीमत अब 250 से 300 नायरा प्रति दर्जन तक पहुंच गई है, स्थानीय उपभोक्ताओं ने शिकायत की है।

रास चुनाव : मीनाक्षी का नामांकन रद्द

अब वोट चोरी के बाद सीट चोरी शुरू

कांग्रेसियों का चुनाव आयोग के सामने धरना

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का अब नामांकन ही रद्द कर दिया गया है। चुनाव आयोग के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार नामांकन रद्द किए जाने का कारण बताया गया है कि उन्होंने अपने हलफनामे में तेलंगाना के एक मामले की जानकारी छिपाई थी। लेकिन कांग्रेस ने इस दावे का खंडन किया है। मीनाक्षी नटराजन की उम्मीदवारी रद्द किए जाने के इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद विवेक तन्खा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, श्अब वोट चोरी से नेक्स्ट लेवल पर सीट चोरी का सिलसिला शुरू हो गया है। मीनाक्षी जी का राज्य सभा का नामांकन निरस्त नहीं हुआ है। प्रजातंत्र की हत्या हुई है। यह लोकतंत्र की हत्या के अलावा कुछ नहीं है। बीजेपी नेताओं ने रिटर्निंग अधिकारी के पास औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई थी। बीजेपी का आरोप था कि मीनाक्षी नटराजन ने तेलंगाना के एक लंबित कोर्ट केस की जानकारी हलफनामे में नहीं दी। चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार को हलफनामे में सभी ज़रूरी जानकारियां देना अनिवार्य होता है। बीजेपी ने इसे गंभीर जानकारी छिपाने का मामला बताते हुए नामांकन रद्द करने की मांग की।

कांग्रेस का पलटवार कांग्रेस ने बीजेपी के आरोप को पूरी तरह खारिज किया है। पार्टी का कहना है कि मीनाक्षी नटराजन पर कोई आपराधिक केस दर्ज नहीं है, इसलिए उन्हें कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं थी। विवेक तन्खा ने कहा है कि श्मीनाक्षी नटराजन जी के नॉमिनेशन के बारे में भ्रम फैलाया जा रहा है। कोई क्रिमिनल केस रजिस्टर्ड नहीं है। मात्र एक नोटिस आया है कि उनके और अन्य लोगों के ख़िलाफ़ 10 करोड़ कंपनसेशन की कार्यवाही क्यों ना की जाए। इस नोटिस का मीनाक्षी जी के वकील ने जवाब दिया है। FIR दर्ज नहीं है। कांग्रेस ने इस खंडन के साथ ही आरोप मढ़ दिया कि अब वोट चोरी के बाद सीट चोरी शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद सियासी पारा हाई हो गया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल, भूपेश बघेल, सचिन पायलट और अन्य नेता चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंच गए। कांग्रेस नेताओं को चुनाव आयोग परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। सुरक्षा कर्मियों ने बिना पूर्व अनुमति का हवाला देते हुए उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश, सचिन पायलट और भूपेश बघेल चुनाव आयोग के बाहर डटे रहे।

अब शाम 4 बजे तक चल सकती है मेडिकल कॉलेजों की OPD

❑ अंबेडकर नगर मॉडल पर प्रदेश में मंथन, मरीजों को राहत और इमरजेंसी का दबाव घटाने की तैयारी

लखनऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में ओपीडी का समय बढ़ाकर शाम चार बजे तक करने की तैयारी शुरू हो गई है। अंबेडकर नगर स्थित महामाया राजकीय एलोपैथी मेडिकल कॉलेज में शुरू किए गए इस प्रयोग के सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद अन्य मेडिकल कॉलेज भी इस व्यवस्था को अपनाने पर विचार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे मरीजों को बेहतर सुविधा मिलने के साथ–साथ अस्पतालों की इमरजेंसी सेवाओं पर बढ़ने वाला दबाव भी कम होगा। प्रदेश में पहली बार अंबेडकर नगर के मेडिकल कॉलेज ने शाम चार बजे तक ओपीडी संचालित करने की व्यवस्था लागू की है। इस पहल से प्रतिदिन करीब 150 से 200 अतिरिक्त मरीजों को उपचार मिल रहा है और लाभार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग के स्तर पर अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी इस मॉडल को लागू करने पर चर्चा शुरू हो गई है।

राजधानी लखनऊ के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में पहले से ही कई विभागों में देर शाम तक मरीज देखे जा रहे हैं। Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences के नेफ्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी और इंडोक्राइनोलॉजी विभागों में शाम चार बजे के बाद तक मरीजों का उपचार किया जा रहा है। वहीं Dr- Ram Manohar Lohia In-

stitute of Medical Sciences के कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी विभागों में भी मरीजों की संख्या के अनुसार देर शाम तक ओपीडी जारी रहती है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कई मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी सदस्य इमरजेंसी ड्यूटी का हवाला देकर समय से पहले ओपीडी छोड़ देते हैं, जबकि एक यूनिट में तीन से चार विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध रहते हैं। ऐसे में यदि एक चिकित्सक इमरजेंसी में तैनात है तो अन्य चिकित्सक ओपीडी को शाम चार बजे तक संचालित कर सकते हैं। विशेषज्ञों का तर्क है कि जब सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों में देर शाम तक क्लीनिक संचालित हो सकते हैं तो राजकीय और स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में भी यह व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू की जा सकती है। इससे दूरदराज से आने वाले मरीजों को राहत मिलेगी और इमरजेंसी विभागों में केवल गंभीर मामलों का दबाव रहेगा।

डॉक्टरों की निगरानी के लिए होगी जियो टैगिंग Mukesh Kumar Yadav ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत चिकित्सकों को दोपहर दो से तीन बजे के बीच भोजनावकाश दिया जाएगा। इसके बाद वे पुनः ओपीडी में मरीजों को देखेंगे। मरीजों की संख्या अधिक होने पर डॉक्टर बारी–बारी से लंच करेंगे ताकि ओपीडी सेवा बाधित न हो। उन्होंने बताया कि भोजनावकाश के नाम पर सभी चिकित्सकों के एक साथ ओपीडी छोड़ने की समस्या रोकने के लिए जियो–टैगिंग फोटोग्राफी की व्यवस्था भी लागू की जा रही है। इससे चिकित्सकों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की निगरानी अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। क्या होगा फायदा– मरीजों को उपचार के लिए अधिक समय मिलेगा। दूरदराज से आने वाले लोगों को राहत मिलेगी।

इमरजेंसी विभागों पर अनावश्यक दबाव कम होगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी। ओपीडी सेवाओं की जवाबदेही और निगरानी मजबूत होगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह मॉडल प्रदेशभर में लागू होता है तो सरकारी मेडिकल कॉलेजों की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा सुधार देखने को मिल सकता है।

महिला सभासद और उसके परिवार को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

रायबरेली, 09 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। सरकारी तालाब पर अवैध कब्जा करने की शिकायत पर दबंगों ने मंगलवार को महिला सभासद और उसके परिवार के सदस्यों को दौड़ा–दौड़ाकर पीटा। इसमें महिला सभासद सुनीता पाल और उसके देवर को चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल देवर को एम्स रेफर किया गया है। घटना से नाराज सभासदों ने मिल एरिया थाने का घेराव कर हंगामा किया। मामले में 17 हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

धौरहरा मोहल्ले की सभासद सुनीता पाल के मुताबिक, सरकारी तालाब पर मोहल्ले के रहने वाले संतोष कुमार ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। इसकी शिकायत नगर पालिका में की थी। बीती छह जून को संतोष समेत अन्य लोगों ने उनकी पिटाई की थी। थाने की पुलिस से लेकर पुलिस अफसरों तक मामले की शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। मंगलवार सुबह दबंगों ने एक राय होकर लाठी–डंडे से हमला बोल दिया। इस दौरान लाठी–डंडे से मुझे व परिवार के लोगों को पीटा गया। इसमें उन्हें व उनके देवर सुनील पाल (32) घायल हुए। देवर को कान, सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिन्हें जिला अस्पताल से एम्स रेफर किया गया। घटना की जानकारी पर सभासद जयप्रकाश वर्मा, कुसुमा, श्रवण कुमारी, आसिफ, दीनदयाल, सबिस्ता बृजेश, कमरुद्दीन, अमर सिंह, रामसजीवन, सुनीता पाल ने मिल एरिया थाने पहुंचकर घेराव किया। मामले में कार्रवाई की मांग की।

नगर पालिकाध्यक्ष शत्रोहन सोनकर भी पहुंचकर मामले में कार्रवाई कराने की बात कही। सभासद जय प्रकाश वर्मा ने बताया कि घटना के बाद पुलिस पीड़ित सभासद की दो बेटियों को थाने लाकर लॉकप में बंद कर दिया। मौके पर पहुंचकर बेटियों को घर पहुंचाया गया। मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन होगा। उधर, मिल एरिया थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि पीड़ित सभासद सुनीता पाल की तहरीर पर धौरहरा निवासी आलोक सिंह, राकेश सिंह, संतोष कुमार, रामकुमार, अनुज और 10–12 अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट, जानमाल की धमकी समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों पक्षों के बीच जमीन का विवाद काफी समय से चल रहा है। मामले में हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सभासद सुनीता पाल पर हुए हमले की घटना पर सभासदों ने गहरी नाराजगी जताई है। सभासद परमजीत सिंह गांधी का कहना है कि सरकारी तालाब पर समय रहते अवैध कब्जा हटा दिया जाता तो यह विवाद न होता। पीड़ित सभासद की ओर से काफी पहले इसकी शिकायत भी पालिका में की गई थी। यही नहीं घटना के बाद ईओ मौके पर जाकर पीड़ित सभासद का पक्ष जानने की कोशिश भी नहीं की। नगर पालिका की जमीनों पर अवैध तरीके से कब्जे हो रहे हैं, लेकिन यह देखने वाला नहीं है। अवैध कब्जेदारों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

ममता के घर और अभिषेक के दफ्तर पहुंची CID

कोलकाता, 09 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। TMC विधायकों के जाली हस्ताक्षर से जुड़े मामले में मंगलवार को CID अधिकारी ममता बनर्जी के आवास पर पहुँचे। अधिकारियों ने ममता के आवास को इसलिए चुना क्योंकि वहाँ पार्टी का कार्यालय भी है। सूत्रों के अनुसार, अधिकारी आवास के अंदर जाना चाहते थे, लेकिन TMC नेताओं ने उन्हें रोक दिया।

'देवव्रत' हिन्दी दैनिक आजमगढ़

' पन्द्रह लाख करोड़ '

लोग दिए बीमा रकम,
पाई-पाई जोड़ ।
खास ले गया लूटकर,
पंद्रह लाख करोड़।
कृपा है अच्छे दिन की।

10 जून 2026

धीरू भाई का दो टूक

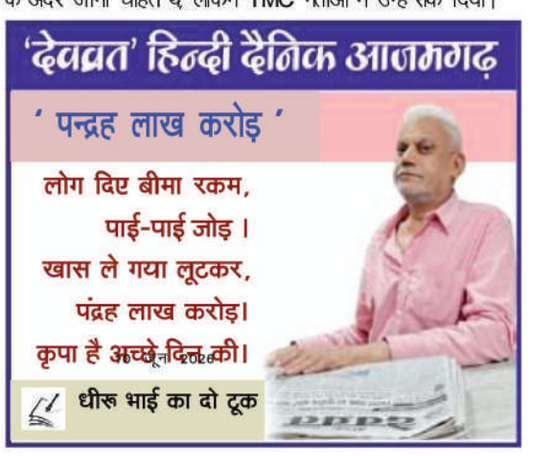

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पाण्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
बअदालत आयुक्त
आजमगढ़ मण्डल, आजमगढ़
अपील सं. सी 202215000001129
धारा 331 ज.वि. अधि. मौजा बसन्तपुर
दिलीप कुमार सिंह बनाम रमेश आदि
बनाम– रमेश 2. राजेश पुत्रगण स्व. भिखारी साकिनान बसन्तपुर परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 3. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत बसन्तपुर परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 4. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

मुत्तिला हो कि अपील बनाराजी दिलीप कुमार आदि डिगरी इस मुकदमे में धनराशि में पेश किया गया वह इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत में तारीख 12 महीना 06 सन् 2026 ई0 वास्ते समायत इस अपील के मुकर्रर की है। अगर खुद आप या आपके वकील या और कोई शक्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसका समायत और तजवीज आपके गैर हाजिरी में एकतरफा की जायेगी। आज बतारिख 24 माह 04 सन् 2026 ई0 मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत से जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम गुफरान अहमद जैनद्दीन मिर्जा था जिसे बदलकर मैंने गुफरान अहमद कर लिया है। भविष्य में मुझे **गुफरान अहमद** नाम से जाना, पहचाना जाए। गुफरान अहमद पुत्र जैनुद्दीन सज्जाद मिर्जा निवासी ग्राम खरेवां पोस्ट व थाना सरायमीर जनपद आजमगढ़

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय भदोही ज्ञानपुर, जनपद भदोही
नं.मु. 134 भरण पोषण 2025
धामादेवी उम्र करीब 65 साल पत्नी स्व. सदानन्द निवासी समालकोट परसीपुर थाना चौरी जिला भदोही। –वादिनी
बनाम
राघवेन्द्र वर्मा उम्र करीब 44 साल 2. रघुवीर वर्मा उम्र करीब 32 साल 3. राजेन्द्र वर्मा उम्र करीब 30 साल पुत्रगण सदानन्द साकिनान समालकोट परसीपुर थाना चौरी जिला भदोही। –प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 04 माह 08 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 04–08–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।
–आज्ञा से
प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय भदोही ज्ञानपुर, जनपद भदोही

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 134 उप्रासं 2006 मौजा कठरा जमीन कठरा
रामअवध बनाम हीरा
बनाम– हीरा 2. रामप्रसाद 3. दुर्विजय पुत्रगण सच्चा सिंह 4. जितेन्द्र 5. विजेन्द्र पुत्रगण लालचन्द 6. सुरेन्द्र पुत्र लालू साकिनान कठरा जमीन कठरा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 7. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत कठरा जमीन कठरा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 03 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 26 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
ज्ञानपुर, भदोही जनपद भदोही
मु.नं. टी 202516670420529/2025 इस्तकरारहक
मोतीलाल बना शांति देवी

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 05 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

सरकार ने एटीएफ कीमतों में स्थिरता के लिए शुरू किया नई योजना

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। राज्य के स्वामित्व वाले खुदरा ईंधन विक्रेताओं ने मंगलवार को विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में करीब 10 फीसदी की वृद्धि की है। इसके साथ ही एक मूल्य स्थिरीकरण व्यवस्था भी शुरू की गई है। इस कदम का उद्देश्य घरेलू एयरलाइनों और यात्रियों को वैश्विक तेल कीमतों में तेज उतार–चढ़ाव से बचाना है। अब घरेलू एयरलाइनों के लिए जेट ईंधन की कीमत 115 रुपये प्रति लीटर होगी, जो पहले 104.927 रुपये थी। यह नई दर उन एयरलाइनों के लिए तीन साल तक के लिए तय रहेगी जो सरकार समर्थित मूल्य स्थिरीकरण योजना में शामिल होंगी। जो एयरलाइनें इस योजना का विकल्प नहीं चुनेंगी, उन्हें बाजार से जुड़ी कीमतें चुकानी होंगी। वर्तमान में यह दर करीब 142 रुपये प्रति लीटर है, जो अंतरराष्ट्रीय वाहकों के समान है। योजना में शामिल होने वाली एयरलाइनों को वैश्विक बेंचमार्क उतार–चढ़ाव से सुरक्षा मिलेगी। वहीं, गैर–भागीदार वाहकों को कीमतों में गिरावट का लाभ मिलेगा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दरें बढ़ने पर उन्हें अधिक लागत का सामना करना पड़ेगा। यह योजना एयरलाइनों को अपने परिचालन खर्चों की बेहतर योजना बनाने में मदद करेगी। यह योजना पूरी तरह से स्वैच्छिक है, और एयरलाइनों को इसमें भाग लेने का निर्णय स्वयं लेना होगा। स्वैच्छिक योजना के तहत, भाग लेने वाली एयरलाइनें 86.32 रुपये प्रति लीटर की निश्चित फ्री–ऑन–बोर्ड बेंचमार्क कीमत का भुगतान करेंगी। इसमें हवाईअड्डा शुल्क, तेल कंपनी मार्जिन और लागू कर शामिल होंगे। इसके परिणामस्वरूप दिल्ली में प्रभावी बिक्री मूल्य 115 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में 114.5 रुपये और चेन्नई में 139 रुपये होगा। यह व्यवस्था ईंधन की कीमतों में अस्थिरता को कम करने और एयरलाइनों को वित्तीय स्थिरता प्रदान करने के लिए है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम अहमद नफीस (AHAMAD NAFEES) था जिसे बदलकर नफीस अहमद (NAFEES AHMAD) कर लिया है भविष्य में मुझे नफीस अहमद (NAFEES AHMAD) नाम से जाना, पहचाना जाए। नफीस अहमद (NAFEES AHMAD) पुत्र रफीउद्दीन निवासी ग्राम खरेवां पोस्ट व थाना सरायमीर जनपद आजमगढ़

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पाण्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह अमानत अपील
बअदालत उपजिलाधिकारी
ज्ञानपुर, भदोही जनपद भदोही
मु.नं. टी 202616670408324/2025
मेहरून बेगम बनाम मो. कमरूद्दीन शेख आदि
बनाम–मो. कमरूद्दीन शेख 2. खुर्शीद आलम 3. जाकिर अली 4. साकिर अली 5. शाहिद अली 6. साविर अली पुत्रगण शमसुद्दीन साकिनान लखनो तहसील ज्ञानपुर जनपद भदोही 7. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय भदोही जनपद भदोही। –प्रतिवादीगण
अपील बनाराजी अदालत नायब तहसीलदार तृतीय ज्ञानपुर दिनांक 06.05.2025 मुकदमा नं. 1327 सन् 2025

मुत्तिला हो कि अपील इस मुकदमे में धनराशि में पेश किया गया वह इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत में तारीख 10 महीना 06 सन् 2026 ई0 वास्ते समायत इस अपील के मुकर्रर की है। अगर खुद आप या आपके वकील या और कोई शक्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसका समायत और तजवीज आपके गैर हाजिरी में एकतरफा की जायेगी। आज बतारिख 08 माह 06 सन् 2026 ई0 मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत से जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सदर, आजमगढ़
धारा 113 उप्रासं 2006 मौजा उकरौड़ा
अजय कुमार सिंह पुत्र रामप्रताप सिंह उम्र करीब 56 वर्ष साकिन उकरौड़ा परगना निजामाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़। –वादी
बनाम
उर्मिला उम्र करीब 66 वर्ष पत्नी विश्वनाथ निवासी ग्राम लड्डूपार परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 2. बबिता पत्नी झिनकू उम्र करीब 50 वर्ष 3. रौनक नाबालिग उम्र करीब 15 वर्ष पुत्र स्व. झिनकू संरक्षिका बबिता माता हकीकी 4. जयप्रकाश उम्र करीब 66 वर्ष पुत्र रामलगन साकिनान ग्राम उकरौड़ा परगना निजामाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़ 5. कलवासी पत्नी भीम 6. आशा देवी पत्नी अर्जुन 7. बेलावती पत्नी सीताराम साकिन मिसिरपुर सूरजा तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 8. कलावती पत्नी गुलाब निवासी ग्राम बटसरा 9. भानमती पत्नी गौरीशंकर निवासी ग्राम खाड़ तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 10. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत उकरौड़ा परगना निजामाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 26 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 05 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सदर, आजमगढ़
मु.नं. टी 202615060110076
कुसुमलता बनाम रिषीकेश
बनाम– रिषीकेश पुत्र धर्मराज तिवारी 2. अंकुर 3. ओम 4. किशन 5. रमेश पुत्रगण विजय बहादुर 6. संजीव 7. मनोज पुत्रगण तीर्थराज 8. तारादेवी पत्नी तीर्थराज 9. नरेन्द्र 10. सरोज 11. रवि पुत्रगण अवधराज 12. माया पत्नी राजीव 13. आयुष पुत्र राजीव साकिनान साकीपुर तहसील सदर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 11 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 04 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बजाज लाइफ इंश्योरेंस के पॉलिसी संख्या– 0048557811 है। उसमें मेरा नाम Gunjan yadav दर्ज है जबकि सारे रिकॉर्ड में Tanishka yadav है। Gunjan yadav और Tanishka yadav दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं। मुझे Tanishka yadav के नाम से जाना व समझा जाए। मेरा जन्म तिथि 20/07/1997 है। Tanishka yadav D/o Chandrabhan yadav Vill/Post-Budhave Alinagar Mau indara, Dist - Mau, U.P. 275102

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) बूढ़नपुर, आजमगढ़
न.मु. टी 202515060605340/2025
धारा 21/24 उप्रासं 2006 मौजा चत्तुरपुर खास
सूर्यबली बनाम रामदरश
बनाम–रामदरश पुत्र सिट्टू 2. ज्ञानदास पुत्र धर्मदास 3. रामचेत पुत्र मटरू साकिनान चत्तुरपुर खास परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत चत्तुरपुर खास परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 22 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 08 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (अवर खण्ड)
हवाली, आजमगढ़
वाद सं. 2438/2025
सूर्यकान्त उम्र करीब 45 साल 2. मनीष उम्र करीब 28 साल 3. शशिकान्त उम्र करीब 34 साल 4. सतीश कुमार उम्र करीब 38 साल पुत्रगण स्व. फूलचन्द 5. श्रीमती कलावती देवी उम्र करीब 65 साल बेवा स्व. फूलचन्द 6. हरिश्चन्द्र उम्र करीब 50 साल पुत्र स्व. रामानन्द साकिनान सरायपुल तप्पा पवई परगना माहुल तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़। –वादीगण
बनाम
बृजलाल उम्र करीब 55 साल पुत्र स्व. चन्द्रबली साकिन सरायपुल तप्पा पवई परगना माहुल तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 07 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 07–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।
–आज्ञा से
सिविल जज (अवर खण्ड) हवाली, आजमगढ़

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. टी 20201815060603571
धारा 21/24 उप्रासं 2006 मौजा कल्होरा
रामप्रसाद आदि बनाम रामपलट
बनाम–रामपलट पुत्र साहबदीन 2. विश्वनाथ पुत्र रामसरन 3. चन्द्रबली पुत्र रामजीयावन 4. रामदवर पुत्र जितई 5. मधुरा पत्नी रामकवल साकिनान कल्होरा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत कल्होरा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 11 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. 436 तजबीजसानी
धारा 21/24 उप्रासं 2006 मौजा मझौवा
रविन्द्र बनाम गांवसभा
बनाम– गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत मझौवा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 2. अन्य प्रतिवादीगण आदि। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 12 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (अवर खण्ड)
हवेली, आजमगढ़
मु.नं. 4240/2025
अनुपम राय आदि बनाम नीलेश राय आदि
बनाम– नीलेश राय 2. नीतेश राय पुत्रगण ओमप्रकाश राय 3. बालिका राय पत्नी ओमप्रकाश राय 4. जयप्रकाश राय 5. राजेश राय पुत्रगण लालबिहारी राय 6. बलिराम राय पुत्र श्याम बिहारी राय 7. रीना राय पत्नी अनुपम राय साकिनान भदसारी परगना बेलादौलताबाद तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 02 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 02–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।
–आज्ञा से
सिविल जज (अवर खण्ड) हवेली, आजमगढ़

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत प्रधान परिवारिक न्यायाधीश, आजमगढ़
मु.नं. 643/2025
सुरेन्द्र बनाम संजू
बनाम–संजू पुत्री रामसागर साकिन सेहदा (तालीपुर) पोस्ट महराजपुर तहसील सदर थाना कन्धरापुर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 27 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 27–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।
–आज्ञा से
प्रधान परिवारिक न्यायाधीश, आजमगढ़

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 21/24 उप्रासं 2006 मौजा खालिसपुर
ममता पत्नी गुड्डू साकिन खालिसपुर परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। –वादिनी
बनाम
रामदास पुत्र कन्ता 2. मग्गन पुत्र विक्रम साकिनान बरौलीपुर पगरना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 3. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत खालिसपुर परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 19 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 29 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत मुख्य राजस्व अधिकारी, आजमगढ़
मु.नं. डी 202515060004495
धारा 32/38/119 उप्रासं 2006 मौजा एलवल
अमित कुमार बनाम सरकार आदि
बनाम–उ.प्र सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़ 2. नगर पालिका परिषद बजरिये अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद आजमगढ़ 3. विक्रम बहादुर सिंह पुत्र रामदास सिंह साकिनान आराजीबाग तहसील सदर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 19 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 05 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी मार्टिनगंज, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा बिजौली
भानु प्रकाश बनाम ईशदत्त
बनाम– ईशदत्त 2. राजबहादुर 3. रंगबहादुर पुत्रगण हरिप्रकाश 4. श्रीप्रकाश पाण्डेय पुत्र दशरथ साकिनान बिजौली परगना बेलादौलताबाद तहसील मार्टीनगंज जनपद आजमगढ़ 5. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत बिजौली परगना बेलादौलताबाद तहसील मार्टीनगंज जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 12 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी मार्टिनगंज, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा खरसहन खुर्द
अमृतलाल बनाम ग्रामसभा
बनाम– दासू पुत्र नगई 2. अलीकदर 3. जुलकदर 4. जुल्फेकार उर्फ भूट्टू 5. बिलकीसकदर पुत्र वकील अहमद साकिनान पूरा किशुनी परगना माहुल पोस्ट दीदारगंज तहसील मार्टिनगंज जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत खरसहनखुर्द परगना माहुल तहसील मार्टिनगंज जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 12 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 09 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा कथौली
बेचू बनाम सामदेव आदि
बनाम–सामदेव पुत्र सरनाम 2. मातबर 3. बच्चन पुत्रगण हरनाम 4. विनोद 5. समोद पुत्रगण बदलू 6. जितेन्द्र 7. हरेन्द्र पुत्रगण नन्हकू साकिनान हंकारपुर परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 12 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 05 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2012 अनुक्रमांक 3605324 का मूल अंक पत्र व प्रमाण पत्र (सनद) वास्तव में कही खो गया है। काफी खोज बीन किया परन्तु कहीं पता नहीं चल पाया। धर्मेंद्र चौहान पुत्र पंचम चौहान निवासी ग्राम सैदपुर पोस्ट सुरहुरपुर, थाना व तहसील मुहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा फद्दूपुर
बेचू बनाम सामदेव आदि
बनाम–सामदेव पुत्र सरनाम 2. मातबर 3. बच्चन पुत्रगण हरनाम 4. विनोद 5. समोद पुत्रगण बदलू 6. जितेन्द्र 7. हरेन्द्र पुत्रगण नन्हकू साकिनान हंकारपुर परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 12 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 05 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा हंकारपुर
बेचू बनाम सामदेव आदि
बनाम–सामदेव पुत्र सरनाम 2. मातबर 3. बच्चन पुत्रगण हरनाम 4. विनोद 5. समोद पुत्रगण बदलू 6. जितेन्द्र 7. हरेन्द्र पुत्रगण नन्हकू साकिनान हंकारपुर परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 12 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 05 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत मुख्य राजस्व अधिकारी
मऊ, जनपद मऊ
वाद सं. 499/2023
डी 20221551000933
धारा 38 (2) उप्रासं 2006 मौजा ओटनी
मंगर बनाम सरकार
बनाम– शंकर 2. मनफेर 3. समशेर पुत्रगण शन्तू साकिनान ओटनी तहसील मुहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ 4. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय मऊ जनपद मऊ 5. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत ओटनी तहसील मुहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 10 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

संस्थापक : स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव
सम्पादक : श्री विजय कुमार यादव
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वामिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़–276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.–92
टेली फैक्स : 05462–297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

जयपुर में पटाखा गोदाम में आग, बच्चे समेत 4 की मौत

जयपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जयपुर के खोह नागोरियान इलाके में स्थित पटाखों के गोदाम में मंगलवार सुबह 11 बजे भीषण आग लग गई। अग्निकांड में बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई और 4 मजदूर झुलस गए। मरने वालों में रामगंज निवासी अब्दुल वाहिद शामिल है। तीन की शिनाख्त नहीं हुई है। झुलसे आजीम खान (18), नासिर खान (20), समीर खान (20) और बिलाल (22) को ट्रर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। ये खोह नागोरियान में रहीम नगर के रहने वाले हैं। एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर आरके जैन ने बताया- समीर और नासिर 95% झुलस गए। बिलाल 75% और आदिब 65% जल गया। जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने बताया- पटाखों का गोदाम खोह नागोरियान में आयशा नगर तलाई क्षेत्र आईटीआई कॉलेज के पास है। कोई ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग लगी है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया- जहां हादसा हुआ, वो पटाखे रखने का गोदाम है। इसकी फैक्ट्री कुछ दूर है। पूरी जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। रिहायशी इलाके में गोदाम अवैध रूप से था। इसके मालिक के खिलाफ कार्रवाई होगी।

कश्मीर में जोजिला टनल के दोनों छोर आपस में जुड़े

लद्दाख, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच बन रही जोजिला टनल की खुदाई मंगलवार को पूरी हो गई। टनल के बीच 2.5 मीटर के ब्लॉक को ब्लास्ट करके हटा दिया गया। इसके साथ ही टनल के दोनों छोर आपस में जुड़ गए। 13.15 किमी लंबाई वाली यह दुनिया की सबसे लंबी सड़क टनल है। जिसमें एक ही सुरंग से दोनों डायरेक्शन में गाड़ियां चल सकेंगी। यह टनल जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को ऑल वैदर कनेक्टिविटी बनाए रखेगी। सुरंग को फरवरी 2028 तक चालू कर दिया जाएगा। यह सुरंग मध्य कश्मीर के बालटाल (गांदरबल) को लद्दाख के द्रास जिले के मिनीमर्ग से जोड़ेगी। इसके साथ लगभग 18' की एप्रोच रोड भी बनाई जा रही है। पहले इस हिस्से को पार करने में 1 से 1.5 घंटे लगते थे, वहीं टनल शुरू होने के बाद यह सफर करीब 15 मिनट में पूरा हो सकेगा।

अमृतसर एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन सिस्टम फेल होने पर हंगामा

अमृतसर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला जब सिस्टम में तकनीकी खराबी आने के कारण यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, इमिग्रेशन सिस्टम में आई दिक्कत की वजह से एयरपोर्ट पर चेकिंग और प्रोसेसिंग का काम धीमा पड़ गया, जिसके चलते यात्रियों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं इसके चलते एयरपोर्ट पर हंगामे की स्थिति बन गई। घटना देर रात की बताई जा रही है। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कुछ समय के लिए एयरपोर्ट पर अव्यवस्था का माहौल बन गया और यात्रियों को घंटों तक इंतजार करना पड़ा। कई यात्रियों ने अपनी फ्लाइट्स को लेकर चिंता भी जताई, जबकि कुछ को देरी के कारण असुविधा का सामना करना पड़ा।

व्यापारी की जेब में बम की तरह फटा चाइनीज मोबाइल

जोधपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जोधपुर में किराना व्यापारी की पैंट की जेब में रखा मोबाइल अचानक बम की तरह ब्लास्ट हो गया। इसके बाद मोबाइल में आग लग गई। व्यापारी के घुटने के ऊपर (जांघ) का हिस्सा और हाथ की अंगुलियां गंभीर रूप से झुलस गई। चमड़ी तक उधड़ गई है। तड़पते हुए व्यापारी ने खुद को बचाने के लिए जेब से जलता हुआ फोन बाहर निकालने की कोशिश की, तो उनके हाथ की अंगुलियां जल गईं। यह घटना मंडोर कृषि मंडी इलाके में सोमवार दोपहर में हुई घायल व्यापारी गोपाल सोनी (39) को तुरंत मंडोर के सैटेलाइट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हालत गंभीर होने के कारण मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे गोपाल सोनी के दोस्त नीरज बंसल उन्हें महात्मा गांधी हॉस्पिटल लेकर गए। यहां उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि घाव गहरा है। हॉस्पिटल के प्लास्टिक सर्जन रजनीश गालवा की देखरेख में व्यापारी का इलाज चल रहा है ।लाल सागर इलाके के रहने वाले व्यापारी गोपाल सोनी ने हॉस्पिटल से बताया कि सोमवार दोपहर करीब 3:30 बजे वे मंडी स्थित अपनी किराना दुकान पर बैठे थे।

पाक कश्मीर में अपनी विफलता को छुपा रहा-भारत

नई दिल्ली, 09 जून (देवव्रत संवाद)। भारत ने मंगलवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) में जारी अशांति को लेकर पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला और इस्लामाबाद पर अपनी व्यवस्थागत विफलताओं और गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को छिपाने के लिए फर्जी खबरों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नियमित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान सवालों के जवाब देते हुए पाकिस्तान से फैल रही गलत सूचनाओं के बार-बार दोहराए जाने वाले पैटर्न पर प्रकाश डाला। एएनआई के एक प्रश्न के उत्तर में जायसवाल ने कहा कि हम इस संदर्भ में पाकिस्तान से लगातार फर्जी खबरें और वीडियो देख रहे हैं। यह पाकिस्तान द्वारा अपनी विफलताओं को छुपाने और मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान हटाने का एक हताश प्रयास है। जायसवाल ने कब्जे वाले क्षेत्र में आर्थिक कठिनाइयों और बुनियादी अधिकारों के अभाव के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे नागरिकों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा की जा रही कठोर कार्रवाई पर गहरी चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा, ₹पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पुलिस की बर्बरता की खबरें हैं, जिनमें कई प्रदर्शनकारी मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। जायसवाल ने कहा कि दुनिया को इस क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, ₹हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके कुकर्मों और दुर्व्यवहारों के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

ये टिप्पणियां जम्मू-कश्मीर के व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच आई हैं, जहां निवासी शासन, आर्थिक कठिनाई और आरक्षित विधायी सीटों के आवंटन सहित विभिन्न मुद्दों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। बढ़ती महंगाई, बिजली के ऊंचे बिल और आवश्यक वस्तुओं की कमी कुछ अन्य मुद्दे हैं जिन पर प्रदर्शनकारी विरोध कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तानी प्रशासन ने असंतोष को दबाने के लिए अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है, जिससे हिंसक झड़पें हुई हैं और जानमाल का नुकसान हुआ है। भारतीय विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। इस दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में हुई हिंसा, बांग्लादेश के साथ सीमा वार्ता, ओमान तट के पास फंसे भारतीय नाविकों के बचाव अभियान, पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के मुद्दे प्रमुख रूप से चर्चा में रहे।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों को लेकर भारत ने पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान लगातार झूठी खबरें और भ्रामक वीडियो फैलाकर अपने आंतरिक विफलताओं तथा मानवाधिकार उल्लंघनों से दुनिया का ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में पुलिस की गंभीर बर्बरता की खबरें सामने आई हैं, जिनमें कई लोगों की मौत हुई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। भारत ने उम्मीद जताई कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके कृत्यों और मानवाधिकार हनन के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आज प्रस्तावित बंद और प्रदर्शन से पहले हालात हिंसक हो गए। वहां प्रतिबंधित संगठन संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी के समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच टकराव में ग्यारह लोगों की मौत हो गई जबकि लगभग सत्तर लोग घायल बताए गए हैं। यह प्रदर्शन क्षेत्रीय विधानसभा चुनावों में बारह आरक्षित सीटों के विरोध में किया जा रहा था। प्रदर्शनकारी इन सीटों को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं क्योंकि इन पर ऐसे उम्मीदवार चुनाव लड़ते हैं जो कश्मीर में नहीं बल्कि पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में रहते हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारी एक अस्पताल के शवगृह के बाहर एकत्र हुए थे, जहां पुलिस गोलीबारी में मारे गए एक कार्यकर्ता का शव रखा गया था। पूंछ क्षेत्र के आयुक्त सरदार वहीद खान ने बताया कि प्रदर्शनकारियों की गोलीबारी में चार पुलिसकर्मियों और एक राहगीर की मौत हुई, जबकि जवाबी कार्रवाई में छह प्रदर्शनकारी मारे गए।

विश्व के सभी देश आपस में युद्ध को तुरंत बंद करें-एंटोनियो गुटेरेस

लंदन, 09 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सोमवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की और सभी संबंधित पक्षों से तत्काल हमले रोकने, अधिकतम संयम बरतने और किसी भी ऐसे कदम से बचने का आह्वान किया जिससे पहले से ही अस्थिर स्थिति और बिगड़ सकती है। महासचिव के प्रवक्ता फरहान हक द्वारा जारी एक बयान में, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने सभी पक्षों से लेबनान, ईरान और गाजा में युद्धविराम का पूरी तरह से पालन करने और चल रहे राजनयिक प्रयासों को कमजोर करने वाले किसी भी कदम से बचने का आह्वान किया।उन्होंने गाजा में प्रवेश करने वाले रास्तों को इजरायल द्वारा बंद करने के फैसले पर चिंता व्यक्त की और गाजा में बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता के त्वरित, सुरक्षित और निर्बाध आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए सभी रास्तों को तत्काल फिर से खोलने की आवश्यकता पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार नौवहन के अधिकारों और स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव सावधानी बरतने का आह्वान किया।

पश्चिम एशिया में संघर्षों का कोई सैन्य समाधान नहीं है, यह दोहराते हुए उन्होंने कहा, ₹आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता संवाद और बातचीत है।₹ इसलिए उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने वाले राजनयिक समाधानों की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

इस बीच, सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि अमेरिका अगले दो हफ्तों के भीतर ईरान पर ₹पूर्ण विजय₹ प्राप्त कर लेगा और उन्हें पूरा विश्वास है कि एक नया परमाणु समझौता जल्द ही हो जाएगा।

छात्र पढ़ाई पर ध्यान दें, परीक्षा पारदर्शी होगी -प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनटीए मुख्यालय का किया दौरा

नई दिल्ली, 09 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान एनईटी यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। यह परीक्षा 21 जून को होने वाली है। तैयारियों के तहत, मंत्री के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात करने की उम्मीद है, ताकि परीक्षा के सुचारू और निर्बाध संचालन के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय का समर्थन प्राप्त किया जा सके।

समीक्षा बैठक के बाद, प्रधान ने छात्रों और अभिभावकों को परीक्षा प्रक्रिया के बारे में आश्वस्त किया। मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि मैं छात्रों और उनके अभिभावकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम पुनर्परीक्षा बिना किसी खामी या खामी के आयोजित करेंगे।उम्मीदवारों से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधान ने कहा कि मैं आप सभी के माध्यम से उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं: कृपया अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। हम पुनर्परीक्षा त्रुटिरहित तरीके से आयोजित करेंगे, और मैं इस मामले में आपका सहयोग चाहता हूं। मंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों का बहुमूल्य शैक्षणिक समय बर्बाद न हो, इसके लिए ठएएळ वक्क्षपुनर्परीक्षा के परिणाम बिना किसी देरी के घोषित किए जाएंगे। पुनर्परीक्षा 21 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित होने वाली है।

धर्मेंद्र प्रधान ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) त्रुटिरहित परीक्षा आयोजित करने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। इस बार, हमारी योजना के अनुसार, परीक्षा देश के 551 शहरों में 5,435 केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाएगी, जिनमें भारत के बाहर 14 केंद्र भी शामिल हैं। सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की जा रही हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमने इस जिम्मेदारी को गंभीरता और जवाबदेही के साथ निभाया है, और एनटीए इसे निश्चित रूप से सफलतापूर्वक संपन्न करेगी।

कॉकरोच जनता पार्टी पर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों' का आरोप-दिल्ली में जंतर-मंतर पर व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद, युवाओं के व्यंग्य संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के खिलाफ राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। नीट-यूजी पेपर लीक और सीबीएसई मूल्यांकन में अनियमितताओं के खिलाफ हुए इस प्रदर्शन का नेतृत्व अभिजीत दिपके कर रहे थे, जिसमें विदेशी फंडिंग का भी आरोप लगाया गया है।

प्रति व्यक्ति सुरक्षा खर्च 1% बढ़ा, तो क्राइम 0.36% घटा

जहां सीसीटीवी ज्यादा, वहां अपराध हुए कम

नई दिल्ली, 09 जून (देवव्रत संवाद)।देश की अर्थव्यवस्था और अपराध में गहरा रिश्ता है। अपराध में महज 1% की कमी से अल्पकाल में वास्तविक जीडीपी (विकास दर) 0.11% और दीर्घकाल में 0.133% तक बढ़ जाती है। एसबीआई रिसर्च ने देश के 28 राज्यों की स्टडी के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है।जब सरकार प्रति व्यक्ति के हिसाब से अपने सुरक्षा खर्च में 1% की बढ़ोतरी करती है, तो उस राज्य में अपराध दर लगभग 0.36% घट जाती है। मतलब ये है कि सुरक्षा पर जितना ज्यादा खर्च होगा, जुर्म उतना ही कम होगा।वहीं, जिन शहरों में सीसीटीवी कैमरों से जितना ज्यादा इलाका कवर किया गया है, वहां अपराध अपेक्षाकृत कम है। महिला के खिलाफ अपराध जहां जितने ज्यादा हैं, वहां वर्कफोर्स में उनकी हिस्सेदारी कम है।

2024 में देश में कुल 58.86 लाख संज्ञेय (हत्या, दुष्कर्म आदि) अपराध दर्ज हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.0% कम हैं। अखिल भारतीय अपराध दर प्रति लाख आबादी पर वर्ष 2023 के 448.3 से गिरकर 2024 में 418.9 हो गई है। राज्यों में केरल में प्रति लाख आबादी पर सबसे अधिक 1,389 संज्ञेय अपराध दर्ज किए गए।नगालैंड में प्रति लाख आबादी पर सबसे कम 61.6 अपराध दर्ज किए गए। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 1.5% की गिरावट आई है, जो 2023 के 4.48 लाख मामलों से घटकर 2024 में 4.41 लाख रह गए। अपराध में इस गिरावट से भी अर्थव्यवस्था को सहारा मिला है।

एच-1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर वसूलने का आदेश रद्द

वॉशिंगटन डीसी, 09 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने ट्रम्प के एच-1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर (करीब 95 लाख रुपए) फीस वसूलने वाली नीति को रद्द कर दिया है। बॉस्टन कोर्ट ने कहा कि यह फीस नहीं बल्कि एक टैक्स है और इसे लागू करने के लिए राष्ट्रपति नहीं, बल्कि संसद की मंजूरी जरूरी थी। ट्रम्प ने सितंबर 2025 में घोषणा की थी कि जो कंपनियां एच-1बीवीजा पर विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देंगी, उन्हें हर वीजा के लिए 1 लाख डॉलर की एक्स्ट्रा फीस देनी होगी।इसके बाद 20 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने इसे चुनौती दी थी। अब कोर्ट के फैसले के खिलाफ ट्रम्प सरकार अपील कर सकती है। एच-1बी एक गैर-अप्रवासी वीजा है, जिसके जरिए अमेरिकी कंपनियां कुछ समय के लिए विदेशों से हाई स्किल वाले पेशेवरों को नौकरी पर रख सकती हैं। पहले ल्ल-1इ वीजा आवेदन करने पर कंपनियों को करीब 2000 से 5000 डॉलर तक फीस देनी पड़ती थी। इस वीजा का सबसे ज्यादा इस्तेमाल भारतीयऔर टेक प्रोफेशनल्स करते हैं।ऐसे में कोर्ट के इस फैसले को भारतीयों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।ट्रम्प सरकार ने अदालत में दलील दी थी कि ल्ल-1इ सिस्टम का दुरुपयोग हो रहा है। सरकार के मुताबिक कई कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को रख रही थीं।

मोदी सरकार की सत्ता के नशे में चूर है-कांग्रेस

उज्ज्वला योजना में कटौती पर हमलावर हुआ विपक्ष

नई दिल्ली, 09 जून (देवव्रत संवाद)। मंगलवार को कांग्रेस ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत रियायती एलपीजी सिलेंडर रिफिल में कटौती को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और मोदी सरकार पर महिला कल्याण का दावा करते हुए गरीब परिवारों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार लगातार कल्याणकारी योजनाओं में कटौती कर रही है और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार के गरीबी उन्मूलन अभियान की वास्तविकता यह है कि पहले तो गरीबों से एमजीएनआरईजीए के तहत काम करने का अधिकार छीन लिया गया और अब तो उनसे भोजन का एक निवाला भी छीना जा रहा है। उज्ज्वला योजना का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि 2016: मोदी जी ने दावा किया था कि उज्ज्वला योजना महिलाओं को लकड़ी के चूल्हे के धुएं से मुक्ति दिलाएगी। प्रति वर्ष 12 रियायती सिलेंडर देने का वादा किया गया था। हालांकि, पिछले साल यह संख्या 12 से घटाकर 9 कर दी गई। 2026: अब, रियायती सिलेंडरों की संख्या 9 से और घटाकर मात्र 4 कर दी गई है। संक्षेप में कहें तो, 12 का वादा, लेकिन देने का इरादा सिर्फ 4।उन्होंने यह भी दावा किया कि बार-बार एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण लाखों लाभार्थियों के लिए रिफिल कराना महंगा हो गया है। खरगे ने कहा कि सिलेंडर छोड़ने के लिए मजबूर, माताएं और बहनें पारंपरिक चूल्हों की ओर लौटने के लिए विवश हैं।

ममता ने कल्याण बनर्जी को लोकसभा में बनाया चीफ व्हिप

कोलकाता, 09 जून (देवव्रत संवाद)। टूट के बीच ममता बनर्जी ने मंगलवार को सांसद कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। टीएमसी के लोकसभा में 28 सांसदों में से 20 ने एक दिन पहले बगावत के बाद ममता का साथ छोड़ दिया था। उन्होंने बीजेपी सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। इन लोगों ने सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था। खुद काकोली घोष ने बागी सांसदों के साइन वाला लेटर लोकसभा स्पीकर को भेजा था। इसमें ळटउ से अलग हुए सांसदों के लिए अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में सिटिंग मांगी थी। चीफ व्हिप किसी राजनीतिक दल का सीनियर नेता होता है, जो संसद या विधानसभा में पार्टी के सांसदों/ विधायकों के बीच अनुशासन बनाए रखने और पार्टी की रणनीति लागू कराने की जिम्मेदारी संभालता है। अगर कोई आदेश नहीं मानता है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती है।काकोली ने सोमवार को कहा था कि वे अभी भी लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) हैं। काकोली ने 27 मई को टीएमसी छोड़ दी है, लेकिन सांसद पद से इस्तीफा नहीं दिया था।काकोली घोष ने कहा- मैं 1986 से ममता बनर्जी के साथ हूं। 2005 में मुझे पार्षद तक का चुनाव लड़वाया गया। मैं तो लड़ते-लड़ते यहां आई हूं।

मानसून ने 13 राज्य को किएकवर, आज मुंबई पहुंचेगा

उप्र के उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में बहीं गाड़ियां

लखनऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। मानसून 5 दिन में 13 राज्यों तक पहुंच गया है। सोमवार को तेलंगाना में एंट्री कर चुका है। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले सप्ताह तक यह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है।मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60'स्र्ँ रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए।

केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं।इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। सोमवार को श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6त्उ दर्ज किया गया।केरलम में मानसून 4 जून को पहुंचा था। सोमवार को मानसून ने तेलंगाना में एंट्री कर ली। इससे पहले रविवार को मानसून त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड तक पहुंचा था।मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2-3 दिनों में यह कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर के बाकी इलाकों में आगे बढ़ सकता है। ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी अगले कुछ दिनों में मानसून पहुंच सकता है।

महिलाओं को निवेश के प्रति जागरूक बनाने निकली नारी निवेश यात्रा

मुंबई,, 09 जून (देवव्रत संवाद)। महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने और निवेश के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने सोमवार को देशव्यापी अभियान नारी निवेश यात्रा की शुरूआत की। मुंबई के बांद्रा स्थित चेतना कॉलेज से शुरू हुई यह छह माह की विशेष यात्रा देशभर के विभिन्न शहरों और कस्बों तक पहुंचकर महिलाओं को वित्तीय साक्षरता और निवेश की जानकारी देगी। अभियान के तहत दो विशेष प्रचार वाहन अलग-अलग दिशाओं में यात्रा करेंगे और विभिन्न स्थानों पर महिलाओं तथा आम नागरिकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे। यात्रा के दौरान नुक्कड़ नाटक, संवादात्मक सत्र और निवेश संबंधी जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से वित्तीय योजना, बचत और निवेश के महत्व को सरल भाषा में समझाया जाएगा। एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवनीत मुनोत ने कहा कि भारतीय परिवारों में महिलाएं बचत की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं, लेकिन निवेश से जुड़ी पर्याप्त जानकारी और संवाद के अभाव में बड़ी संख्या में महिलाएं संगठित निवेश व्यवस्था से दूर रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि नारी निवेश यात्रा का उद्देश्य इस दूरी को कम करते हुए महिलाओं को अपने वित्तीय भविष्य के प्रति अधिक जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान देशभर में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए 60 विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में वित्तीय योजना, लक्ष्य आधारित निवेश, दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण और नियमित निवेश की आदतों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

भारत ने 12 परमाणु बम तैनात किए, 2 साल में देश के एटमी हथियार 180 से बढ़कर 190

नई दिल्ली, 09 जून (देवव्रत संवाद)। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। उसके कितने हथियार तैनात हैं, यह स्पष्ट नहीं है।

रूस-अमेरिका की तरह भारत अपने परमाणु हथियारों की सटीक संख्या, क्षमता और नाम आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं करता। रक्ढफक्र और दूसरी संस्थाएं केवल अनुमान के आधार पर रिपोर्ट जारी करती हैं।

इयरबुक 2026 के अनुसार दुनिया एक नए परमाणु प्रतियोगिता के दौर में पहुंच रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान समेत सभी परमाणु संपन्न देश अपने हथियारों और डिलीवरी सिस्टम को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं।2026 की शुरूआत में दुनिया के 9 देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। इसमें से 9,745 परमाणु हथियार सेना के भंडार गृह में हैं, जो इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार हैं।दुनिया का 5वां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश: 2025 में भारत का रक्षा खर्च 92.1 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 8.9 प्रतिशत अधिक है। रक्षा खर्च के मामले में भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी हैं।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयात करने वाला देश: 2021-25 के दौरान भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक भी रहा। वैश्विक हथियार आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.2% रही। यूक्रेन, भारत, सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान की संयुक्त हिस्सेदारी 35% रही। अमेरिका-रूस के पास दुनिया के करीब 86% परमाणु हथियार: दोनों देश बड़े स्तर पर परमाणु आधुनिकीकरण कार्यक्रम चला रहे हैं। चीन का परमाणु भंडार भी बढ़कर 600 से 620 हथियारों तक पहुंच गया है। भारत के पास 190, पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। भारत लंबी दूरी के ऐसे हथियार बनाने पर फोकस बढ़ा रहा है, ताकि उनकी पहुंच चीन के आखिरी छोर तक हो सके। दरअसल, भारत एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर संतुलित रणनीतिक क्षमता बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। 2020 की हिंसक गलवान झड़प के बाद भारत-चीन सीमा पर भारतीय सैन्य निगरानी भी बढ़ी है।भारत नए परमाणु डिलीवरी सिस्टम पर भी काम कर रहा है। इनमें सबसे अहम है तकनीक यानी मल्टीपल इंडिपेंडेन्टली टारगेटेबल रीएंट्री व्हीकल। इस तकनीक के जरिए एक ही बैलिस्टिक मिसाइल कई परमाणु हथियार ले जा सकती है और अलग-अलग लक्ष्यों को निशाना बना सकती है।रिपोर्ट में भारत की समुद्री परमाणु क्षमता को भी बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। भारत की परमाणु पनडुब्बियां, खासकर अरिहंत, अब देश की सेकेंड स्ट्राइक कैपेसिटी का बड़ा आधार बन रही हैं।अनुमान है कि भारत अब शांति काल में भी सीमित संख्या में परमाणु हथियारों को बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों पर तैनात करने लगा है। इससे दुश्मन के पहले हमले के बाद भी जवाबी कार्रवाई की क्षमता बनी रहती है।

पीओके में हिंसा, 30 की मौत, 200 से ज्यादा घायल

मुज्जफराबाद, 09 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह हिंसा जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी और क्षेत्रीय सरकार के बीच चल रहे विवाद के दौरान हुई। रिपोर्ट के अनुसार मृतकों में 4 पुलिसकर्मी शामिल हैं। वहीं 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे। खअअउ इन सीटों को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है।

यह आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती का समय है

आज वैश्विक आर्थिक परिदृश्य तेजी से अनिश्चितता के भंवर में फंसता नजर आ रहा है। अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष से उपजा भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि, बाधित व्यापार मार्ग से प्रभावित आपूर्ति शृंखला भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये नई चुनौतियां खड़ी कर रही है। ऐसे में देश के लिये प्राथमिकता केवल विकास की गति बनाये रखना ही नहीं होनी चाहिए। सरकार का दायित्व है कि आम लोगों को महंगाई की मार से बचाने के लिये व्यावहारिक कदम भी उठाये। दरअसल, भारत के सामने केवल मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से उपजा संकट ही नहीं है, बल्कि अंदरूनी मोर्चे पर भी कई तरह की दिक्कतें पैदा हो रही हैं। हाल ही में केंद्रीय बैंक ने देश में मानसून में कमी की आशंका जतायी है। ऐसा अल-नीनो के प्रभाव के चलते पैदा होने वाले विषम हालातों के चलते कहा गया है। जिसके चलते आगामी कुछ माह में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। ऐसे में महंगाई में कमी आने की सूरत नजर नहीं आती। देश के कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि फिलहाल सरकार की प्राथमिकता आर्थिक विकास में वृद्धि ही है। जिसके चलते आशंका जतायी जा रही है कि इससे नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। निस्संदेह, अर्थव्यवस्था में सुधार होना चाहिए, लेकिन वक्त की नजाकत को देखते हुए आम आदमी को महंगाई से राहत देना बेहद जरूरी है। अन्यथा आम लोगों का जीवन-यापन और अधिक कष्टकारी भी हो सकता है। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री मानते हैं कि सरकार आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं व महंगाई नियंत्रण के प्रयासों के बीच संतुलन साधने का प्रयास करे। लेकिन पिछले दिनों पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कई बार की वृद्धि के बाद व्यावसायिक व घरेलू एलपीजी के दामों का बढ़ना, लोगों की चिंता बढ़ाने वाला है। जाहिर बात है कि इस वृद्धि से पहले ही महंगाई से जूझते लोगों का बजट और गड़बड़ा जाएगा।

निस्संदेह, पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में वृद्धि के बाद कुकिंग गैस के दामों की वृद्धि आम आदमी का बजट बिगाड़ने वाली है। फलतः लोगों की क्रय शक्ति कम हो रही है। वहीं आर्थिकी में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ने की आशंका है। इस उथल-पुथल भरे वैश्विक परिदृश्य में कुछ कारक देश की अर्थव्यवस्था को संबल देने वाले भी हैं। देश में घरेलू मांग मजबूत है, संरचनात्मक विकास में निवेश जारी है। वहीं तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था हमारी ताकत भी है। जिससे हम एक सीमा तक वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला कर सकते हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हमारे आयात बिलों पर दबाव बढ़ा रही हैं। जिसका प्रभाव रुपये पर भी बढ़ते दबाव के रूप में सामने आया है। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों को लुभाने के लिये केंद्रीय बैंक प्रयासरत है, लेकिन बाजार के पटरी पर आने में कुछ वक्त अवश्य लगेगा। आरबीआई का विश्वास है कि निवेश नियमों में ढील से पूंजी के प्रवाह को प्रोत्साहन मिलेगा। केंद्रीय बैंक की प्राथमिकताओं में आर्थिक स्थिरता कायम करना, रुपये को संबल देना और देश की वित्तीय प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाये रखना भी है। बैंक की कोशिश है कि विकास को प्रभावित किए बिना ही आर्थिक स्थिरता लाने का प्रयास हो। निस्संदेह, नीति-नियंताओं के सामने आर्थिक विकास को गति देने के साथ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए।

इसके लिये दोनों में संतुलन बनाने की जरूरत है। हम विकास और रोजगार को संरक्षण देते हुए महंगाई को नियंत्रित करने का प्रयास करें। जिसके लिये राजकोषीय विवेक, कमजोर वर्ग के लोगों को संबल तथा संरचनात्मक सुधार प्राथमिकता हों। तभी आर्थिक विकास और महंगाई में संतुलन बनाने में सफलता मिल सकती है। इसके लिये सरकार को अतिरिक्त कदम उठाने होंगे। वह महसूस करे कि आम आदमी की जेब पर महंगाई दबाव बनाने लगी है। जिससे अर्थव्यवस्था का प्रभावित होना लाजमी है। जिसके चलते केंद्रीय बैंक ने देश की आर्थिक वृद्धि दर में न केवल कमी की है बल्कि खुदरा महंगाई दर में वृद्धि के भी संकेत दिए हैं। विश्वास करें कि सरकार मौजूदा संकट से मुकाबले हेतु विस्तृत व्यावहारिक कदम उठाएगी।

गलफ्रेंड की अच्छी आदतें शादी के बाद आदमी को क्यों लगती हैं खराब

अक्सर देखा जाता है कि जो आदतें एक गर्लफ्रेंड में लड़कों को बहुत प्यारी और क्यूट लगती हैं, वही आदतें शादी के बाद पत्नी में दिखने पर उन्हें अचानक गुस्सा आने लगता है। दरअसल, यह किसी इंसान का बदलना नहीं है, बल्कि असल जिंदगी की जिम्मेदारियों और नजरिए का बदलाव है। डेटिंग के समय जो बातें रोमांस का हिस्सा होती हैं, शादी के बाद वे ही बातें गंभीर जिम्मेदारियों के बीच तनाव का कारण बन जाती हैं।

बार-बार फोन या मैसेज करना

जब गर्लफ्रेंड दिन में कई बार फोन करके पूछती है कि क्या कर रहे हो? या खाना खाया?, तो लड़कों को यह बहुत अच्छा लगता है। उन्हें महसूस होता है कि कोई उनकी बहुत फिक्र कर रहा है। लेकिन शादी के बाद जब पत्नी यही सवाल बार-बार पूछती है, तो कई बार मर्दों को लगता है कि उन पर नजर रखी जा रही है या उन्हें अपनी आजादी नहीं मिल रही। ऑफिस के काम और तनाव के बीच यही प्यार भरी फिक्र उन्हें टोकना लगने लगती है।

छोटी-छोटी बातों पर रूठना

डेटिंग के दौरान गर्लफ्रेंड का छोटी-छोटी बातों पर मुंह फुलाना, रूठ जाना और फिर उसे प्यार से मनाना लड़कों को बहुत मजेदार लगता है। उन्हें अपनी पार्टनर के नखरे उठाना अच्छा लगता है। लेकिन शादी के बाद जब घर और बाहर की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, तब पत्नी का इस तरह बिना बात के रूठना मर्दों को बचपना और बेवजह का ड्रामा लगने लगता है। वे उम्मीद करते हैं कि उनकी पत्नी समझदारी दिखाए और मुश्किलों को सुलझाने में उनका साथ दे।

ज्यादा पजेसिव होना

तुम उस लड़की से क्या बात कर रहे थे? गर्लफ्रेंड का ऐसा पूछना लड़कों को अच्छा लगता है। उन्हें लगता है कि उनकी पार्टनर उन्हें खोने से डरती है और इस हल्की सी जलन को वे सच्चे प्यार का सबूत मानते हैं। इसके विपरीत, शादी के बाद जब पत्नी यही पजेसिवनेस दिखाती है, तो मर्दों को लगता है कि उनकी पत्नी उन पर भरोसा नहीं करती। जो बात पहले गहरा प्यार लगती थी, वह शादी के बाद शक और सिरदर्द बन जाती है।

घंटों शॉपिंग करना

गर्लफ्रेंड के साथ शॉपिंग पर जाना, उसके बैग उठाना और उसे महंगे गिफ्ट देना लड़कों को एक हीरो जैसी फीलिंग देता है। लेकिन शादी के बाद जिंदगी की हकीकत सामने आती है, जहां घर के खर्चे, भविष्य की चिंताएं, लोन और सेविंग्स जैसी चीजें जुड़ जाती हैं। ऐसे में पत्नी की लंबी शॉपिंग और फिजूलखर्ची पर मर्दों का सब्र तुरंत टूट जाता है क्योंकि उन्हें घर का बजट बिगड़ने का डर सताने लगता है।

समय मांगना

डेटिंग के दिनों में लड़के अपनी गर्लफ्रेंड को ही अपनी दुनिया मानते हैं और अपना सारा खाली समय उसी के साथ बिताना चाहते हैं। लेकिन शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, बल्कि परिवारों का मिलन होती है। शादी के बाद मर्द चाहते हैं कि उनकी पत्नी उनके माता-पिता, परिवार और दोस्तों को भी समझे और उन्हें अहमियत दे। ऐसे में अगर पत्नी सिर्फ अपने लिए सारा समय मांगती है, तो मर्दों को यह बात स्वार्थ से भरी लगती है।

समझदारी और बातचीत से सुलझ सकती है मुश्किल

सच तो यह है कि शादी के बाद इंसान नहीं बदलता, बल्कि रिश्ते का रूप और हालात बदल जाते हैं। डेटिंग एक सपनों की दुनिया की तरह होती है जहां सिर्फ रोमांस होता है, जबकि शादी असल जिंदगी की एक साझेदारी है जहां बिल, रिश्तेदार और भविष्य की योजनाएं शामिल होती हैं। इस टकराव से बचने का एक ही तरीका है और वो है समझदारी और आपसी बातचीत। अगर दोनों पार्टनर एक-दूसरे की बदलती जिम्मेदारियों को समझें और एक टीम की तरह काम करें, तो शादी के बाद भी रिश्ते में वही पुराना प्यार बना रह सकता है।

महिलाओं को ज्यादा झुलसाती है गर्मी की तपिश

• मुकुल व्यास

बहुत ज्यादा गर्मी महिलाओं की सामाजिक दुनिया को बदल देती है। हीटवेव के दौरान कई उष्णकटिबंधीय जगहों पर औरतें घर के अंदर रहती हैं, जिससे उनके सामाजिक संपर्क कम हो जाते हैं। बांग्लादेश, कंबोडिया और नेपाल में तेज गर्मी को बाल विवाह में बढ़ोतरी से जोड़ा गया है।

भीषण गर्मी आज एक बहुत बड़ी स्वास्थ्य समस्या है। दुनियाभर में हर साल लगभग 490,000 लोग गर्मी से अपनी जान गंवा देते हैं। लेकिन ये आंकड़े महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी पर गर्मी के खतरनाक असर को नहीं दशार्ते। एक नए अध्ययन ने एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के उदाहरणों के हवाले से बताया है कि महिलाओं को गर्मी के हालात में सबसे ज्यादा एडजस्ट करने के लिए मजबूर किया जाता है, लेकिन जलवायु संबंधी नीतियों में उन्हें सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया जाता है। एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के कई हिस्सों में महिलाएं घर की मुख्य देखभाल करने वाली होती हैं। वे अक्सर पुरुषों के मुकाबले घर के अंदर ज्यादा समय बिताती हैं। उन्हें कम हवादार घरों में बिना इंसुलेशन या कूलिंग के रहना पड़ता है, जिससे उन्हें शारीरिक और मानसिक तनाव होता है। इससे पता चलता है कि बहुत ज्यादा गर्मी महिलाओं की सेहत को कैसे नुकसान पहुंचाती है।

काम की जगहों पर लिंग के आधार पर भेदभाव भी गर्मी के संपर्क को प्रभावित करता है। एक रिसर्च से पता चलता है कि अनौपचारिक काम की जगहों पर साफ-सफाई की कमी महिलाओं को बहुत ज्यादा गर्मी के दौरान खास तौर पर परेशान करती है। कुछ महिलाएं गंदे टॉयलेट इस्तेमाल करने से बचने के लिए कम पानी पीती हैं, जिससे उनमें डिहाइड्रेशन और सेहत से जुड़ी और दूसरी समस्याएं उत्पन हो जाती हैं। ये छोटी-मोटी परेशानियां नहीं हैं। ये सब मिलकर महिलाओं के गर्मी के संपर्क में निरंतर इजाफा करती हैं।

ाामाजिक दुनिया को बदल देती है। हीटवेव के दौरान कई उष्णकटिबंधीय जगहों पर औरतें घर के अंदर रहती हैं, जिससे उनके सामाजिक संपर्क कम हो जाते हैं। बांग्लादेश, कंबोडिया और नेपाल में तेज गर्मी को बाल विवाह में बढ़ोतरी से जोड़ा गया है, क्योंकि मुश्किल में फंसे परिवार पैसे का तनाव कम करने और घर का खर्च कम करने के लिए अपनी बेटियों को शादी के लिए मजबूर करते हैं।

एक अन्य अध्ययन के अनुसार दुनिया के कई हिस्सों में परिवार ऐसे घरों में रहते हैं जो गर्मी को अंदर रोककर रखते हैं, जहां बिजली की भरोसेमंद सुविधा नहीं है और साफ पानी की उपलब्धता सीमित है। बहुत से लोग आज भी चिलचिलाती धूप में बाहर काम करते हैं। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ रहा है, इस तरह के हालात सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर संकट पैदा कर रहे हैं।

नेचर सस्टेनेबिलिटी में छपी एक नई स्टडी में बताया गया है कि दुनिया में अरबों लोग कूलिंग पॉवर्टी (ठंडक की कमी) का सामना कर रहे हैं। शोधकताओं का अनुमान है कि दो अरब से ज्यादा लोग ऐसी स्थिति में रहते हैं जिसे वे कूलिंग पॉवर्टी कहते हैं। यानी वे खतरनाक गर्मी का सामना करते हैं और उनके पास ठंडक पाने के सुरक्षित या सस्ते तरीके नहीं होते।

ये नतीजे ऐसे समय में आए हैं जब दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में इन गर्मियों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। इतनी ज्यादा गर्मी ये जरूरी सवाल खड़े करती है कि सबसे ज्यादा खतरे में कौन है और उनकी सुरक्षा के लिए क्या किया जा सकता है। आमतौर पर लोग मान लेते हैं कि इन लोगों को बस एक एयर कंडीशनर की जरूरत है। शोधकर्ता इस सोच को बदलना चाहते हैं। यूरो-मेडिटेरेनियन सेंटर ऑन क्लाइमेट चेंज के वैज्ञानिक जियाकोमो फाल्चेटा ने कहा, कूलिंग पॉवर्टी का मतलब ऐसे हालात से है जहां लोगों को ताप सुरक्षा नहीं मिल पाती और इसकी वजह सिर्फ यह नहीं है कि उनके पास एयर कंडीशनर नहीं है।

वैसे भी, एयर कंडीशनर बांटने से कोई लाभ नहीं होगा। वे बहुत ज्यादा बिजली की खपत करते हैं और कमजोर पावर ग्रिड पर बोझ डालते हैं। हम इस संकट से निपटने के लिए सिर्फ एयर कंडीशनर का सहारा नहीं ले सकते। गरीबी गर्मी के असर को और बढ़ा देती है। स्टडी से पता चलता है कि गर्मी गरीबी, खराब घरों और कमजोर सार्वजनिक सेवाओं के साथ मिलकर नुकसान पहुंचाती है। पहला खतरा तो घर ही है। कमजोर बनावट वाला घर आपको गर्मी से नहीं बचाता; बल्कि वह गर्मी को अंदर ही रोककर रखता है।

शहरों में रहने वाले लाखों गरीब लोग टिन या एस्बेस्टस की छतों के नीचे रहते हैं, जिससे घर के अंदर का तापमान बाहर की हवा के मुकाबले पांच डिग्री तक ज्यादा हो सकता है। जब बिजली बार-बार जाती है और पानी सुरक्षित नहीं होता, तो पर्याप्त पानी पीना और शरीर को ठंडा रखना भी मुश्किल हो जाता है। दूसरा खतरा सेहत से जुड़ा है। जब भीषण गर्मी शरीर की सहनशक्ति से बाहर हो जाती है, तो जान बचाने के लिए अक्सर तुरंत मदद की जरूरत होती है।

जिन देशों में क्लिनिक कम हैं या दूर हैं, वहां गर्मी से होने वाली बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। तीसरा खतरा काम से जुड़ा है। किसान, निर्माण कार्य करने वाले और सड़क किनारे सामान बेचने वाले लोग घंटों तक खुली धूप में काम करते हैं और वे किसी ठंडे कमरे में नहीं जा सकते। उनके शरीर को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि यह गर्मी ज्यादातर नमी वाली होती है, जिससे पसीना त्वचा को ठंडा नहीं कर पाता। इन मुश्किलों का असर सब पर एक जैसा नहीं होता।

महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और सबसे गरीब परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। अक्सर यही लोग खराब घरों में रहते हैं। उन्हें स्वास्थ्य सेवा और जानकारी नहीं मिल पाती, और खुद को बचाने के लिए उनके पास कोई अतिरिक्त साधन नहीं होता। अगर समुदायों के पास गर्मी से निपटने के साधन हों, तो इसके असर को कम किया जा सकता है। अच्छी बात यह है कि आसान और कम खचीर्ले उपाय भी कारगर होते हैं। छतों को सफेद रंगने से कमरे का तापमान कई डिग्री कम हो सकता है। पुआल और मिट्टी से सस्ता इंसुलेशन (तापमान रोकने वाली परत) बनाया जा सकता है। पेड़ लगाने, तालाबों और पार्कों को ठीक करने और निःशुल्क पानी की सुविधा वाले सार्वजनिक शेल्टर खोलने जैसे उपायों से पूरे इलाके को बिना किसी एयर कंडीशनर के ठंडा रखने में मदद मिलती है।

निःसंदेह, तेजी से गर्म होती दुनिया में ढालने के लिए सरकारों, संस्थाओं और लोगों को मिलकर कोशिश करनी पड़ेगी। छतों पर सफेद पेंट को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि सफेद पेंट सूरज की अधिकांश रोशनी को परावर्तित करके कमरों को ठंडा रखता है। सरकार को इसके लिए विशेष जन अभियान चलाना चाहिए। चूंकि गर्मी महिलाएं और पुरुषों को अलग-अलग ढंग से प्रभावित करती है, नीति-निर्धारकों को इस अंतर का भी ध्यान रखना पड़ेगा।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

सिने जगत

अमीषा पटेल के जन्म पर देखने पहुंचीं इंदिरा गांधी, दादा के नाम पर रोड

अमीषा पटेल का जन्म गुजरात के रईस बिजनेसमैन अमित पटेल और पंजाबी ठफक्कमां आशा के घर हुआ। मां और पिता का नाम जोड़कर उन्हें अमीषा नाम दिया गया। 5 की उम्र में उन्हें भरतनाट्यम की ट्रेनिंग दिलवाई गई।

उनके दादाजी रजनी पटेल मशहूर बैरिस्टर और कांग्रेस के बड़े राजनेता थे। उनके नाम पर 1986 में मुंबई की रोड का नाम बैरिस्टर रजनी पटेल मार्ग रखा गया है। मनीष पॉल के पॉडकास्ट में अमीषा ने बताया था कि उनके दादाजी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तक बनने वाले थे। वो इंदिरा गांधी के करीबी थे।

इंदिरा गांधी, अमीषा पटेल के पेरेंट्स की शादी में भी पहुंची थीं। उन्होंने खुद शादी ऐसी डेट पर रखी, जिस दिन वो काम में व्यस्त न हों और शादी अटेंड कर सकें। यहां तक की जब अमीषा का जन्म हुआ, इंदिरा गांधी वो पहली शख्स थीं, जो अस्पताल पहुंची थीं।

16 साल की उम्र में अमीषा अपने पिता के साथ सहेली के संगीत में पहुंची थीं। वहां पिता के साथ बोर्डिंग स्कूल में पढ़ चुके बचपन के दोस्त राकेश रोशन भी पहुंचे थे। जब अमीषा ने बिंदास अंदाज में डांस करना शुरू किया तो राकेश रोशन की उन पर नजर पड़ गई। वो सीधे उनके पिता के पास पहुंचे और पूछा- ये कौन है। गर्लफ्रेंड? जवाब मिला- नहीं राकेश, ये मेरी बेटी है अमीषा। अभी अभी बॉस्टन से पढ़ाई कर लौटी है।

राकेश ने उनसे कहा- जब मैं अपने बेटे ऋतिक को लॉन्च करूंगा, तो तुम्हारी बेटी को हीरोइन बनाऊंगा। पिता ने कहा- नहीं, वो तो पढ़ाई के लिए बॉस्टन जा रही है। फिल्मों में काम करने का तो सवाल ही नहीं उठता।

शुरूआती पढ़ाई के बाद अमीषा ने बोस्टन की यूनिवर्सिटी से बायो जेनेटिक इंजीनियरिंग की और बाद में इकॉनोमिक्स की पढ़ाई की। अमीषा के पिता अमित पटेल का अक्सर फिल्मी दुनिया के लोगों के साथ उठना-बैठना होता था। एक दिन उन्होंने बॉस्टन में रह रहीं अमीषा को कॉल कर बताया कि विनोद अंकल (विनोद खन्ना) चाहते हैं कि तुम उनके बेटे अक्षय खन्ना की डेब्यू फिल्म हिमालय पुत्र से फिल्मों में डेब्यू करो, लेकिन हमने इनकार कर दिया। हम नहीं चाहते कि तुम्हारी पढ़ाई पर असर पड़े। अमीषा ने इस बात कर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि फिल्मों में आने का उन्होंने खुद भी कभी सोचा नहीं था।

कुछ दिन बीते, तो पिता ने फिर बताया फिरोज खान ने भी उन्हें बेटे फरदीन खान की फिल्म प्रेम अगन ऑफर की है, लेकिन इस बार भी उन्होंने इनकार कर दिया। जब वो फाइनल ईयर में बॉम्बे लौटीं, तो एक दिन राकेश रोशन ने उन्हें लंच पर इनवाइट किया। अमीषा पिता-मां के साथ गईं। वहां राकेश के बेटे ऋतिक भी मौजूद थे। उन्होंने पढ़ाई की खूब बातें कीं, अमीषा ने अपना सीवी और अमेरिका के मॉर्गन स्टेनली बैंक से मिली जॉब का लेटर भी दिखाया। कुछ देर बाद जब अमीषा वॉशरूम गईं तो राकेश रोशन ने बेटे ऋतिक से पूछा कि क्या उन्हें अपकमिंग फिल्म कहो न प्यार है में कास्ट करना चाहिए। ऋतिक की हामी मिलने पर राकेश ने अमीषा के आते ही उन्हें फिल्म ऑफर कर दी। दरअसल, उस समय राकेश रोशन ने बेटे ऋतिक रोशन और करीना कपूर के साथ फिल्म कहो न प्यार है शुरू की थी, लेकिन करीना ने राकेश रोशन और मां बबीता की अनबन होने पर फिल्म छोड़ दी थी। ऑफर मिलने पर अमीषा ने पूछा- आपकी फिल्म में तो हीरोइन फाइनल हो चुकी है। इस पर राकेश ने कहा- नहीं, मैं तुम्हें हीरोइन बनाना चाहता हूं।

ये सुनकर अमीषा ने हामी भर दी। उन्होंने सोचा कि अगर पहली फिल्म फ्लॉप हुई, तो वो इकोनॉमिक्स में नौकरी शुरू कर देंगी, लेकिन खुशकिस्मती से फिल्म सुपरहिट रही और अमीषा पटेल एक स्टार बन गईं और आज भी फिल्मों से जुड़ी हुई हैं। आज अमीषा पटेल 51 साल की हो चुकी है। उनके बर्थडे के खास मौके पर जानिए, उनकी जिंदगी से जुड़ी रोचक कहानी, कुछ मजेदार किस्सों के साथ-अमीषा पटेल ने कुछ दिनों की एक्टिंग ट्रेनिंग लेने के बाद कहो न प्यार है की शूटिंग शुरू की। इसी समय उन्हें अनिल शर्मा की फिल्म गदर के ऑडिशन की जानकारी मिली। वो ऑडिशन के लिए गईं, जिसके लिए पहले ही 500 लड़कियां ऑडिशन दे चुकी थीं। 22 लड़कियों को स्क्रीनटेस्ट के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिनमें अमीषा भी शामिल हुईं। उनका स्क्रीनटेस्ट 12 घंटे तक चला। आखिरकार अनिल शर्मा ने उन्हें गदर में कास्ट कर लिया।

आखिर इंडिया गठबंधन की बैठक के राजनीतिक मायने क्या हैं?

• कमलेश पांडे

विगत दो-तीन वर्षों में कांग्रेस की सियासी बिसात पर अपना अपना-सबकुछ लुटा-पिटा देने के बाद इंडिया गठबंधन के सहयोगियों की जो ‌नई दिल्ली बैठक‌ हुई, उसके राजनीतिक मायने कांग्रेस के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुए। क्योंकि इस बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की आवाज ध्यान से सुनी गई और उनके नेतृत्व को तथा उनकी पार्टी को गाहे-बगाहे चुनौती देने वाले क्षेत्रीय दलों के सुरमा भोपाली नेता दबी जुबान में अपनी भावना प्रकट करने को अभिशप्त हुए। खासकर नेशनल कांफ्रेंस के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, सपा प्रमुख अखिलेश यादव को छोड़कर।

इसलिए यह बैठक केवल एक नियमित विपक्षी बैठक तक सीमित नहीं रही, क्योंकि यह बैठक ऐसे समय हुई, जब कई सहयोगी दलों और कांग्रेस के बीच मतभेदों की बढ़ती-घटती खबरें सामने आई थीं, इसलिए इसके संदेश पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, 8 जून को इंडिया (क्ठउक्रअ) गठबंधन की बैठक में लगभग 23 दलों के राजनेता शामिल हुए। बैठक में विपक्षी दलों ने अपनी एकजुटता दिखाने और आगे की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा की। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, बैठक में लगभग 23 विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिनमें मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सुप्रिया सुले के अलावा प्रमुख वामपंथी दलों के अनेक नेता उपस्थित रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार की नीतियों, विदेश नीति और मतदाता सूची पुनरीक्षणसे जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। जबकि विपक्षी दलों ने संसद और सड़क दोनों स्तरों पर समन्वित आंदोलन चलाने तथा राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा रुख अपनाने पर चर्चा की। साथ ही, 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी, विपक्षी एकता और गठबंधन के भविष्य की दिशा भी बैठक के एजेंडे में शामिल रही।

बैठक के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवाल पर मंथन हुआ। फिर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संयुक्त रणनीति बनाई गई और संसद में विपक्षी दलों के बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों के बीच तालमेल और राजनीतिक सहयोग होने की पुष्टि की गई।

वहीं, इस बैठक की कतिपय चुनौतियां भी सामने आईं, क्योंकि जहां तमिलनाडु में सत्ता से बेदखल हुई कांग्रेस से नाराजगी होने के चलते इस बैठक से दूरी बनाई, जिससे गठबंधन के भीतर मतभेदों की चर्चा तेज रही। वहीं, आप के सुप्रीमो अरबिंद केजरीवाल की अनुपस्थिति भी चर्चा में रही। जबकि कुछ अन्य सहयोगी दलों की भूमिका और भागीदारी को लेकर भी सवाल बने रहे।

जहां तक इंडिया गठबंधन की इस बहुप्रतीक्षित बैठक के राजनीतिक मायने की बात है तो यह बैठक लोकसभा चुनाव 2024 के बाद विपक्ष की सबसे महत्वपूर्ण गैर-संसदीय बैठकों में से एक मानी जा रही है। जिसके माध्यम से विपक्ष ने संदेश देने की कोशिश की कि मतभेदों के बावजूद भाजपा के खिलाफ साझा मंच अभी कायम है। वहीं, भाजपा ने उ्टङ की अनुपस्थिति और अन्य अंतर्विरोधों को लेकर गठबंधन की एकता पर सवाल उठाए हैं। इस बैठक के सबसे बड़े राजनीतिक निष्कर्ष निम्नलिखित हैंः-

पहला, गठबंधन अभी समाप्त नहीं हुआ हैः सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि तमाम मतभेदों, चुनावी झटकों और सहयोगी दलों की नाराजगी के बावजूद विपक्षी दलों ने एक साझा मंच बनाए रखने का निर्णय लिया। 23 दलों की भागीदारी ने कांग्रेस को यह कहने का अवसर दिया कि गठबंधन अभी भी प्रासंगिक है। दूसरा, 2029 की तैयारी अभी से शुरू हो गईः बैठक का प्रमुख उद्देश्य केवल वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देना नहीं था, बल्कि 2029 लोकसभा चुनाव के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी था। विपक्ष भाजपा के विरुद्ध एक व्यापक राष्ट्रीय नैरेटिव गढ़ने की कोशिश में दिखा।

तीसरा, कांग्रेस फिर से समन्वयक की भूमिका मेंः बैठक से यह संकेत मिला कि कांग्रेस गठबंधन की धुरी बनी रहना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी एकता पर जोर दिया और केंद्र सरकार के विरुद्ध साझा संघर्ष का आह्वान किया। चौथा, गठबंधन की कमजोरी भी उजागर हुईःबैठक से दूर रहना बताता है कि विपक्षी एकता अभी भी कई अंतर्विरोधों से घिरी हुई है।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि इस बैठक का बिहार की राजनीति पर प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि राजद नेता तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय मंच मिला। बैठक में मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि वे केवल बिहार तक सीमित नेता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। वहीं, बिहार चुनाव में विपक्षी एकता का संदेशभी गया। ऐसे में यदि कांग्रेस, राजद और वाम दल तालमेल बनाए रखते हैं तो बिहार में के खिलाफ विपक्षी चुनौती अपेक्षाकृत मजबूत रह सकती है।

वहीं, जाति और सामाजिक न्याय की राजनीति को भी बल मिला। क्योंकि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पिछले कुछ समय से सामाजिक न्याय, जातीय गणना और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों को साथ उठाते रहे हैं। बैठक से संकेत मिला कि यह विपक्ष का प्रमुख राजनीतिक एजेंडा बना रह सकता है। जहां तक 2029 के लोकसभा चुनाव पर संभावित प्रभाव की बात है तो इसका सकारात्मक पक्ष यह रहा कि भाजपा के विरुद्ध एक साझा राष्ट्रीय मंच बना रहता है। वहीं, संसदीय मुद्दों पर समन्वय बढ़ सकता है। साथ ही क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के बीच संवाद कायम रहने की संभावना बनी रहती है। वहीं, जहां तक चुनौतियों की बात है तो सीट बंटवारा सबसे बड़ी समस्या रहेगा। क्योंकि कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। वहीं, उ्टङ और अअढ जैसी पार्टियों की दूरी गठबंधन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश यह रहा कि क्ठउक्रअ गठबंधन ने अपने अस्तित्व और प्रासंगिकता का प्रदर्शन करने की कोशिश की। लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि अपने भीतर की एकता बनाए रखना है। बिहार में इसका तात्कालिक लाभ महागठबंधन को मिल सकता है, जबकि 2029 के लिए यह बैठक विपक्षी पुनर्गठन की शुरूआत मानी जा सकती है– हालांकि सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सहयोगी दल भविष्य में अपने मतभेद कितनी प्रभावी ढंग से सुलझा पाते हैं।

स्कूली वाहनो का हो शतप्रतिशत सत्यापन: जिलाधिकारी

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग व पुलिस अधीक्षक आकाश पटेल की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।इस दौरान उन्होंने अवैध कटों को तत्काल बंद करने का निर्देश दिया।जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित हो रहे अवैध कटों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इन सभी अवैध कटों को तत्काल प्रभाव से बंद कराया जाए। जिसपर एनएचएआई के डेवलपमेंट मैनेजर ने बताया कि लगभग सभी अवैध कटो को बंद करा दिया गया कुछ जो रह गए है उनको जल्द ही करा दिया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने पर भी जोर दिया।उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए 'ब्लैक स्पॉट' चिन्हित कर वहां सुधार कार्य करने,सड़क संकेतक और चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए तथा रिंग रोड के अधिकारी को निर्देश किया कि जितने भी रोड के बगल में गुमटी लगाए उनको तत्काल हटाने का कार्य सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ओवरलोडिंग और तेज गति से वाहन चलाने वालों पर प्रभावी नियंत्रण लगाने का आदेश दिया।कहा इसका उद्देश्य जनहानि को रोकना और सड़कों पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है।बैठक के दौरान एनएचएआई तथा रिंग रोड के अधिकारियों द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिए जाने पर नाराज जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि भारत माला परियोजना में जितने डम्फर का संचालन कराया जा रहा है उसकी सूची के साथ चालकों की सूची उपलब्ध कराई जाए।

बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अनंत चंद्रशेखर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सर्वेश गौतम, अधिशासी अभियन्ता पी डब्ल्यू डी राजेश कुमार एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विरसा मुंडा के स्मृति दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 जून (देवव्रत संवाद)। दिन मंगलवार को विरसा मुंडा के 126 वें स्मृति दिवस पर भारतवर्षीय गोंड आदिवासी महासभा द्वारा मुख्यालय परशुरामपुर में उनकी वीरता बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद किया गया।उनके प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुए महासभा द्वारा धरती आबा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।महासभा के अध्यक्ष डॉ.उमेश चन्द्र गोंड ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि विरसा मुंडा मात्र 25 वर्ष की आयु में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ 'उलगुलान' (महान विद्रोह)का नेतृत्व कर आदिवासी गौरव और भूमि अधिकार की लड़ाई के प्रतीक बन गए।उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आज के युवा विरसा के साहस,अपनी जड़ों से जुड़ाव और एकता के संदेश को अपनाकर देश की प्रगति में योगदान दें। वक्ता ने कहा कि विरसा मुंडा हमें याद दिलाते हैं कि सही मुद्दे पर खड़े होने के लिए उम्र या संसाधन नहीं, जज्बा जरूरी है।अपनी संस्कृति,पर्यावरण और भूमि अधिकार की रक्षा के लिए हमें एकजुट होकर लड़ना होगा।कार्यक्रम में विरसा मुंडा की शिक्षाओं पर आधारित'जय जोहार' अभियान की घोषणा की गई,जिसमें आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा,पर्यावरण संरक्षण और युवा सशक्तिकरण पर जोर दिया जाएगा।सभा में श्रीकृष्ण गोंड,प्यारे लाल,रविशंकर गोंड, घुरहू प्रसाद,हरिश्चन्द्र, सुरेश गोंड,रविशंकर प्रसाद,अवधेश प्रसाद अन्य मौजूद रहे।

संस्कार भारती के समापन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मनमोहा

जौनपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)।संस्कार भारती जौनपुर द्वारा आयोजित 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का समापन समारोह नगर स्थित होली चाइल्ड एकेडमी में संपन्न हुआ। कार्यशाला के दौरान बच्चों को चित्रकला, कथक, लोकगीत, नाट्य कला एवं कंटेम्प्रेरी डांस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन अवसर पर प्रशिक्षुओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। चित्रकला प्रशिक्षक कलाविद रविकांत जायसवाल एवं नवीन विश्वकर्मा द्वारा बच्चों को वाटर कलर, पोस्टर कलर, एक्रिलिक कलर, स्टिल लाइफ एवं आर्ट एंड क्राफ्ट का प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए चित्रों एवं क्राफ्ट की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसकी अतिथियों एवं अभिभावकों ने सराहना की।लोकगीत प्रशिक्षक श्रीमती ज्योति सिन्हा एवं उनके प्रशिक्षुओं ने लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

कंटेम्प्रेरी डांस के प्रशिक्षक श्याम राव द्वारा प्रशिक्षित बच्चों ने ह्लमां की ममताह्व एवं ह्लभूत मंडलीह्व नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। नाट्य प्रशिक्षण के प्रशिक्षक अवधेश श्रीवास्तव के निर्देशन में प्रशिक्षुओं ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति देकर सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।कथक प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रशिक्षुओं ने सरस्वती वंदना, तिहाई ताल, हस्तक, नमस्कार, तोड़ा, सादा तोड़ा, चक्करदार तोड़ा, चक्करदार तिहाई, गद्यांश, ऐ गिरिनंदिनी, महिषासुर मर्दिनी तथा महाभारत के द्रौपदी चीरहरण प्रसंग का प्रभावशाली मंचन प्रस्तुत किया।

प्रस्तुतियों में तबले पर अवधेश यादव एवं हारमोनियम पर शिवा जी ने अपनी उत्कृष्ट संगत से कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया।मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी (भू एवं राजस्व) अजय अम्बष्ट ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं बच्चों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव, डॉ. क्षितिज शर्मा एवं डॉ. आलोक यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करते हैं तथा समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं। संचालन आलोक रंजन सिन्हा एवं मयंक नारायण ने संयुक्त रूप से किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में मासिक जिला बैठक आयोजित, मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम संपन्न हुआ

मिर्जापुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर बुधवार को आयोजित मासिक जिला बैठक में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया गया।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने की। बैठक में पूर्व में चल रहे अभियानों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा हुई। संवाददाता को जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर पार्टी कार्यकताओं को घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियों और विभिन्न लाभार्थी योजनाओं की जानकारी देनी है। उन्होंने ह्यमेरा बूथ सबसे मजबूतह्व अभियान को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने का निर्देश दिया।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिले के सभी मंडलों में लाभार्थी संपर्क अभियान चलाया जाएगा तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।श्री सरोज ने कार्यकताओं से अपील की कि अनुशासन, समन्वय और संवाद बनाए रखकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार की योजनाओं को अंतिम पायदान तक पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। बैठक का संचालन जिला महामंत्री स्वामीनाथ सिंह ने किया। बैठक में उपस्थित प्रमुख नेताबैठक में मा. विधायक नगर पं. रत्नाकर मिश्र, मा. विधायक मझवां शुचिस्मिता मौर्या, नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी, जिला उपाध्यक्षगण शरदिन्दुमणि त्रिपाठी, हेमन्त, रवीन्द्र नारायण सिंह, गौरव ऊमर, चिन्तामणि मौर्या, सुनीता शर्मा, इन्द्र कुमार सिंह, उदय भान तिवारी, बैजनाथ प्रजापति, जिला महामंत्री रविशंकर पाण्डेय, डॉ. सी.एल. बिन्द, जिलामंत्री डॉ. विजय सिंह, रोहित त्रिपाठी, संध्या पटेल, आलोक कुमार सिंह, विरेन्द्र प्रताप यादव, जिला कोषाध्यक्ष चंद्रांशु गोयल, जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा सहित अन्य जिला, मंडल पदाधिकारी और मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भदोही में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह का होगा भव्य आयोजन

भदोही, 09 जून (देवव्रत संवाद)। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शों एवं जिलाधिकारी शैलेष कुमार के मार्गदर्शन में जनपद भदोही में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 का आयोजन व्यापक जनसहभागिता के साथ किया जाएगा। आयुष विभाग द्वारा जारी शासनादेश के क्रम में जनपद में 15 जून से 21 जून, 2026 तक ३योग सप्ताह३ तथा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी विभागों, स्थानीय निकायों, शिक्षण संस्थानों, ग्राम पंचायतों एवं सामाजिक संगठनों को निर्देशित किया है कि योग को जन-आंदोलन का स्वरूप देने हेतु व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएं तथा अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। योग सप्ताह के दौरान जनपद, तहसील, विकास खण्ड, नगर निकाय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के साथ-साथ पतंजलि योग संस्थान, गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ लिविंग, भारत स्वाभिमान, स्काउट-गाइड, नेहरू युवा केन्द्र संगठन एवं विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाएगा।

जनपद में पर्याप्त धान बीज उर्वरक उपलब्ध-जिला कृषि अधिकारी

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 जून (देवव्रत संवाद)। जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार यादव ने बताया कि जनपद में खरीफ फसलों के लिए धान बीज,कैंचा बीज और विभिन्न उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी आवश्यकतानुसार ही उर्वरकों की खरीद करें।अधिकारी के अनुसार जनपद के नौ विकास खंडों के राजकीय कृषि बीज भंडारों पर 1168 क्विंटल धान बीज और 722.80 क्विंटल कैंचा बीज उपलब्ध कराया गया है।

अब तक 700 क्विंटल धान बीज और 674 क्विंटल कैंचा बीज का वितरण पीओएस मशीन के माध्यम से किया जा चुका है। किसान एग्रीकल्चर .यूपी.जीओवी.इन पर बुकिंग कराकर 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज प्राप्त कर सकते हैं। जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता भी पर्याप्त है।वर्तमान में 17237 मीट्रिक टन यूरिया, 5106 मीट्रिक टन डीएपी,402 मीट्रिक टन एमओपी,4141 मीट्रिक टन एनपीकेएस और 12607 मीट्रिक टन एसएसपी का स्टॉक मौजूद है।खरीफ मौसम में अप्रैल से 8 जून, 2026 तक निजी उर्वरक बिक्रीकेंद्रों और साधन सहकारी समितियों के माध्यम से 675 मीट्रिक टन यूरिया, 379 मीट्रिक टन डीएपी,4 मीट्रिक टन एमओपी,68 मीट्रिक टन एनपीकेएस और 180 मीट्रिक टन एसएसपी का वितरण किया गया है।जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को सलाह दी कि वे यूरिया का अधिक मात्रा में प्रयोग न करें।यूरिया के अत्यधिक उपयोग से धान के तने मुलायम और लंबे हो जाते हैं, जिससे रोग और कीट लगने की संभावना बढ़ जाती है।

विंध्याचल रोडवेज परिसर की दयनीय हालत, श्रद्धालु और यात्री परेशान

मिर्जापुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। विंध्याचल रोडवेज परिसर की हालत बद से बदतर होती जा रही है। एक समय जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती थी, आज वही परिसर साफ-सफाई, बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा के अभाव में दयनीय स्थिति में पहुंच गया है। विंध्यवासिनी देवी दरबार आने वाले श्रद्धालुओं और आम यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।परिसर में साफ-सफाई की कोई व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। कूड़े-करकट के ढेर लगे हुए हैं।

पीने के पानी की व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। ठंडे पानी के बूथों से टोटियां गायब हैं, जिससे यात्री मजबूरन महंगे दामों पर बोतलबंद पानी खरीदकर प्यास बुझा रहे हैं। बाथरूम के आसपास लकड़ी के ढेर लगे रहते हैं, जो सफाई और स्वास्थ्य दोनों के लिए खतरा बन गए हैं।रोडवेज परिसर में लगे सभी पंखे खराब पड़े हैं। गर्मी से बेहाल यात्री बस का इंतजार करते हुए दुकानों के बाहर और इधर-उधर बैठे नजर आते हैं। खास बात यह है कि दोनों नवरात्रों के दौरान अतिरिक्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, लेकिन नवरात्र समाप्त होते ही सारी व्यवस्थाएं गायब हो जाती हैं और परिसर कूड़ेदान में तब्दील हो जाता है।रात में अंधेरा और चोरों का राजसूर्यास्त के बाद पूरा रोडवेज परिसर अंधेरे में डूब जाता है। बिजली और लाइटिंग की कोई व्यवस्था नहीं है। इस मौके का फायदा उठाकर चोर-उचक्के सक्रिय हो जाते हैं और यात्रियों का सामान चुराकर फरार हो जाते हैं। पुलिस की गश्त नदारद रहती है, जिससे यात्रियों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।स्थानीय लोगों और नियमित यात्रियों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि विंध्यवासिनी माता के दरबार से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोडवेज परिसर को प्राथमिकता पर साफ-सफाई, पानी, बिजली और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।प्रशासन को इस गंभीर समस्या पर तुरंत ध्यान देना चाहिए, अन्यथा माता के भक्तों और आम जनता को बार-बार इस प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

पुलिस भर्ती परीक्षा के द्वितीय दिन डीएम-एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन परीक्षा पर दिया जोर

भदोही, 09 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा के द्वितीय दिन जनपद में परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज ज्ञानपुर केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश जांच, सीसीटीवी निगरानी, व्यवस्था, पेयजल, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों, स्टेटिक मजिस्ट्रेटों एवं पुलिस अधिकारियों से परीक्षा संचालन संबंधी जानकारी प्राप्त करते हुए शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वारों पर अभ्यर्थियों की सघन तलाशी व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी अभ्यर्थी को प्रतिबंधित सामग्री के साथ परीक्षा कक्ष में प्रवेश न करने दिया जाए। अधिकारियों ने कहा कि भर्ती परीक्षा की शुचिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को गंभीरता से लिया जाएगा।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पेयजल, विद्युत, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने तथा परीक्षा संचालन में समयबद्धता और अनुशासन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही सभी गतिविधियों की निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को सतर्क एवं मुस्तैद रहकर ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता प्रभावित करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को उपलब्ध कराई जाए। परीक्षा केंद्रों एवं उसके आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है, जिससे अभ्यर्थियों को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण प्राप्त हो सके।अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरों एवं कंट्रोल रूम के माध्यम से की जा रही निगरानी व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि पर सतत नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप भर्ती परीक्षा को पूर्णतः नकलविहीन, पारदर्शी एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराया जा रहा है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद प्रशासन एवं पुलिस विभाग परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं तथा परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संचालित होती मिली।

आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्तीझ2025 की लिखित परीक्षा 09 जून 2026 को प्रथम पाली के समस्त केंद्रों पर अभ्यार्थियों की संख्या 2976, उपस्थित 2290, अनुपस्थित 686 रहे।

वध हेतू ले जा रहे पशु बरामद,तस्कर गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 जून (देवव्रत संवाद)। उच्चाधिकारीगण के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक बिन्देश्वर प्रसाद पाण्डेय के नेतृत्व में थाना चन्दौली पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार मुख्य मार्ग पर लीलापुर फाटक के पास पहुंच कर मुख्य लेन से बिहार की तरफ जाने वाले मार्ग पर पहुचकर पुलिस टीम द्वारा चेकिंग की जा रही थी कि कुछ समय पश्चात एक पिकअप चन्दौली की तरफ से एक वाहन आता हुआ दिखाई दिया उक्त वाहन को रुकने का इशारा किया गया पुलिस टीम को देखकर गाड़ी रोक कर उतर कर पीछे भागने का प्रयास किया तभी पुलिस टीम द्वारा घेराबन्दी कर उसे पकड़ लिया गया।पकड़े गया तस्कर राकेश पासवान पुत्र सच्चन पासवान निवासी ग्राम कोरी थाना अलीनगर जनपद चंदौली निवासी बताया जाता है जिसके पास से पिकअप वाहन पर लदे वध हेतु ले जा रहे 02 पशु बरामद हुए।पूछताछ के दौरान अभियुक्त द्वारा बताया गया कि वह अपने साथी के साथ मिलकर काफी समय से अवैध गौवंश तस्करी का कार्य कर रहा है।दोनों मिलकर क्षेत्र में घूमने वाले निराश्रित एवं आवारा गौवंशों को पकड़वाते है तथा उन्हें वाहन में लादकर बिहार राज्य तक पहुंचाते थे।पकड़े गए तस्कर पर पुलिस संबंधीत धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

वृद्ध दंपति पर जानलेवा हमला करने वालों के खिलाफ मुकदमा

गोपीगंज, 09 जून (देवव्रत संवाद)।कोतवाली क्षेत्र के घनश्यामपुर गांव मे वृद्ध दंपति को मारपीट कर घायल करने के आरोप में गांव की एक महिला सहित चार लोगों के खिलाफ संबंधित धारा में मुकदमा कायम किया गया है, गांव निवासी विकास कुमार ने कोतवाली में तहरीर देकर अवगत कराया कि 06 जून को पड़ोसी सुनील कुमार अपने परिवार वालों के साथ बाका ,गड़ासा आदि लेकर उसके दरवाजे पर पहुच वृद्ध माता पिता के उपर हमला लहूलुहान कर दिया,माता पिता को बचाने के लिए जब वह पहुंचा तो उसके उपर भी हमला कर दिया,वह भाग कर कमरे मे घुस कर किसी तरह जान बचाया,उसकी तहरीर पर कार्रवाई करते हुए गोपीगंज पुलिस ने सुनील कुमार, सीतादेवी, विनोद व संदीप के खिलाफ संबंधित धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

दुरासी सामुदायिक शौचालयों में लटका ताला, ग्रामीण परेशान

चौरी, 09 जून (देवव्रत संवाद)। क्षेत्र के अंतर्गत दुरासी ग्रामसभा में लाखों रुपये खर्च कर सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी ग्राम पंचायत की ओर से ग्रामीणों की सुविधा के लिए शौचालय को चालू नहीं किया गया और न ही साफ सफाई की कोई व्यवस्था है। सामुदायिक शौचालय जनता के लिए चालू न किए जाने से ग्रामीण खुले में शौच को विवश हैं। दुरासी में सामुदायिक शौचालय निर्माण पूरा होने के बाद भी ताला बंद कर दिया गया है। शौचालय का ताला खोलकर चालू कराने को आए दिन ग्रामीणों की ओर से विभागीय अधिकारियों के अलावा डीएम दरबार तक शिकायत होती है। बावजूद इसके ग्राम पंचायतों की मनमर्जी के आगे अधिकारियों का निर्देश भी बेअसर साबित हो रहा है। यह केवल एक गांव के शौचालय की बदहाली नहीं है बल्कि जिले में बने अधिकांश सामुदायिक शौचालयों की यही स्थिति है। ऐसे शौचालयों का ताला खोलवाकर ग्रामीणों को सुविधा मुहैया कराए जाने को जिम्मेदार अधिकारी भी गंभीर नहीं हैं साथ ही इस विषय पर ग्राम प्रधान को संपर्क करने पर उनका फोन नहीं उठा। इधर खंड विकास अधिकारी विनोद कुमार मौर्य ने कहा कि ग्रामसभा दुरासी सहित अन्य भी सामुदायिक शौचालय चालू नहीं हैं वहां के प्रधान सहित सचिवों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला स्तर पर इसकी रिपोर्ट जोरो पर तैयार कराई जा रही है।

ग्रीष्म कालीन जुताई से किसानों को लाभ-कृषि अधिकारी

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 जून (देवव्रत संवाद)।चंदौली के प्रभारी जिला कृषि रक्षा अधिकारी विनोद कुमार यादव ने किसानों को ग्रीष्म कालीन जुताई के लाभ बताए हैं।उन्होंने कहा कि रबी फसलों की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई आगामी खरीफ फसलों के लिए कई तरह से फायदेमंद होती है।यह जुताई मानसून आने से पहले मई-जून के महीनों में की जाती है।कृषि रक्षा अधिकारी के अनुसार,ग्रीष्म कालीन जुताई से मिट्टी की संरचना में सुधार होता है,जिससे उसकी जल धारण क्षमता बढ़ती है।यह फसलों की बेहतर वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।यह जुताई खेत की कठोर परत को तोड़ने में भी सहायक है,जिससे जड़ों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनता है। इसके अलावा,खेत में उगे खरपतवार और फसल अवशेष मिट्टी में दबकर सड़ जाते हैं, जिससे मिट्टी में जीवांश की मात्रा बढ़ती है।गहरी जुताई से मिट्टी के अंदर छिपे हानिकारक कीड़े-मकोड़े,उनके अंडे,लार्वा,प्यूपा और खरपतवारों के बीज सूर्य की तेज किरणों के संपर्क में आकर नष्ट हो जाते हैं।गर्मी की गहरी जुताई के बाद मिट्टी में मौजूद हानिकारक जीवाणु, कवक,निमेटोड और अन्य सूक्ष्म जीव भी मर जाते हैं, जो फसलों में बीमारियों का प्रमुख कारण होते हैं।साथ ही,जमीन में वायु संचार बढ़ने से लाभकारी सूक्ष्म जीवों की वृद्धि और विकास में मदद मिलती है।मृदा में वायु संचार बढ़ने से खरपतवारनाशी और कीटनाशी रसायनों के विषाक्त अवशेष तथा पिछली फसल की जड़ों द्वारा छोड़े गए हानिकारक रसायनों के अपघटन में भी सहायता मिलती है।अधिकारी ने कृषक भाइयों से पारंपरिक कृषि विधि ग्रीष्म कालीन जुताई को अपनाने का आग्रह किया है।उन्होंने कहा कि इससे कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त होगा और जल,वायु,मृदा व पर्यावरण प्रदूषण को भी कम किया जा सकेगा।

तीन बच्चों के साथ महिला लापता, परिजनों में चिंता

गोपीगंज, 09 जून (देवव्रत संवाद)। थाना क्षेत्र के एक गांव से एक महिला अपने तीन बच्चों के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। मामले को लेकर परिजनों में चिंता का माहौल है। पति ने थाने में लिखित तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज किए जाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला बीते 7 जून को अपने तीन बच्चों के साथ घर से गोपीगंज बाजार सामान खरीदने के लिए निकली थी। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। आसपास के क्षेत्रों तथा रिश्तेदारों के यहां काफी खोजबीन की गई, लेकिन महिला और बच्चों का कोई सुराग नहीं मिल सका। पीड़ित पति ने मंगलवार को थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी और पत्नी व बच्चों की गुमशुदगी दर्ज करने की मांग की। उसने बताया कि महिला के पास मोबाइल फोन भी है, लेकिन संपर्क करने पर फोन स्विच ऑफ बता रहा है। पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा महिला और बच्चों की तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के जलज परियोजना के अंतर्गत ृक्षारोपण किया

मिर्जापुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)।विश्व पर्यावरण दिवसपर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में वृक्षारोपण किया गया विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा विद्यालय (मेडिकल कॉलेज)मिजार्पुर में विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पौधा मां के नाम लगाकर मनाया गया। इसमें इसमें मुख्य रूप से उपस्थित श्री राकेश प्रकाश (मंडला आयुक्त विंध्याचल) पवन कुमार गंगवार (जिलाधिकारी मिजार्पुर) विशाल कुमार (मुख्य विकास अधिकारी) राकेश कुमार(जिला वन अधिकारी मिजार्पुर) पं रत्नाकर मिश्रा (नगर विधायक) श्री सूचिस्मिता मौर्य (मझवा विधायक) रिकी कोल (छानबे विधायक) प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डा.संजीव कुमार एवं राहुल कुमार, ओमनाथ, प्रदीप कुमार, साजन, नीरज राहुल, सुजीत, लालबाबू, अंकित गंगा प्रहरी इत्यादि उपस्थित रहे।

हादसे में स्कूटी सवार की मौत

जौनपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)।लाइन बाजार थाना क्षेत्र के प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के पास सोमवार की रात ट्रक की चपेट आने से एक स्कूटी सवार व्यक्ति की मौत हो गई है। थाना गौराबादशाहपुर कबीरूद्दीनपुर निवासी 35 वर्षीय स्कूटी सवार रमेश कुमार पुत्र रामदुलार अपनी स्कूटी से खरीदारी के लिए शहर की ओर आ रहें थें कि जैसे ही वह प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के पास पहुंचें तो सामने से आ रही ट्रक की चपेट में आ गएं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें 108 एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरो ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। फिल्हाल मौत खबर सुनते ही पहुंची पुलिस ने मृतक की लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राष्ट्रीय बाल कलाकारों ने भजन संध्या में जलवा बिखेरा

वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को उमड़ी भीड़

सोनभद, 09 जून (देवव्रत संवाद)। कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में मंगलवार को पांचवें दिन विराट रुद्र महायज्ञ में अपने माता-पिता के साथ पहुंचे राष्ट्रीय बाल कलाकार यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने के बाद भिखारी बाबा का आशीर्वाद लिया और भजन संध्या कार्यक्रम में जलवा बिखेरा। बाल कलाकार अपने माता पिता के साथ शिव मंदिर में रुद्राभिषेक पूजन भी किया। वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने भागवत कथा का रसपान कराया। वहीं वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को भीड़ उमड़ पड़ी।प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि आचार्यगण गोपालधर द्विवेदी, राजेश कुमार पाठक, हरिओम द्विवेदी व अमरेश तिवारी द्वारा विराट रूद्र महायज्ञ एवं पूजन कार्य कराया जा रहा है।प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से प्रतिदिन आहुति दी जा रही है। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और जयकारे लगाए। इस दौरान समूचा यज्ञ स्थल जयकारे से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

वाराणसी से यज्ञ स्थल पर पहुंचे मनीष कुमार ने बताया कि उनके तीनों बच्चे श्री राम कृष्ण, श्री राधा कृष्ण व श्री राधे कृष्ण राष्ट्रीय बाल कलाकार हैं।इन्हें प्रदेश के राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। तीनों बच्चे हारमोनियम बजाकर भजन गायन करते हैं। पिछले वर्ष 2025 में प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित अयोध्या नंदीग्राम महोत्सव में भी बाल कलाकारों को आमंत्रित किया गया था, जिसमें अपने कला का बच्चों ने प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया था। यहां पर भिखारी बाबा ने बाल कलाकारों को भजन संध्या में कार्यक्रम की प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया है।

श्री राधा कृष्ण व श्री राधे कृष्ण ने लवकुश लीला का प्रदर्शन कर सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। वहीं श्री राम कृष्ण ने हारमोनियम बजाकर भजन, गीत, गजल सुनाकर जलवा बिखेरा। उन्होंने बताया कि उनकी धर्मपत्नी कृति सागर कवयित्री हैं। उधर वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को भारी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। देर रात तक रासलीला कार्यक्रम चलता रहा और लोग आनंद का लुत्फ उठाते रहे।

इस मौके पर नरेश चंद्र उमर वैश्य, रूपा गुप्ता, विजय सिंह, इंद्रवीर, केवलानंद महाराज, हरिनंद, देवेंद्र कुमार, दिनेश, उषा देवी, चिंता मौर्य, उर्मिला देवी, कलावती देवी, दाऊदयाल, राजेश, शुभराम महाराज, राजेंद्र महाराज, रामखेलावन, प्रहलाद, मुन्ना बाबा, परमानंद, रमेश कुमार, शशि देवी, किरन मोदनवाल, संगीता, विमला देवी, कालो देवी, हीरा सिंह, डॉक्टर विजय आदि लोग मौजूद रहे।

इनर व्हील क्लब रेणुकूट को मिला प्लेटिनम अवार्ड, क्षेत्र में खुशी की लहर

रेणुकूट/सोनभद्र, 09 जून (देवव्रत संवाद)। प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित होटल कान्हा श्यामा में आयोजित पुरस्कार एवं सम्मान समारोह में सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए इनर व्हील क्लब रेणुकूट को प्रतिष्ठित प्लेटिनम अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रिया नारायण द्वारा प्रदान किया गया।सम्मान प्राप्त होने पर क्लब की अध्यक्ष उदिता बनर्जी ने कहा कि इनर व्हील क्लब रेणुकूट समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। क्लब द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में सहयोग प्रदान किया जाता है। साथ ही दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, महिलाओं को स्वरोजगार हेतु सिलाई मशीनों का वितरण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि क्लब ने एक हैप्पी स्कूल को भी गोद लिया है और सामाजिक उत्थान के कार्य वर्षभर निरंतर जारी रहते हैं।उदिता बनर्जी ने इस उपलब्धि का श्रेय क्लब के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को देते हुए उनके सहयोग और समर्पण की सराहना की।इस अवसर पर क्लब की सचिव ममता बंसल, कोषाध्यक्ष संध्या सिंह, आईएसओ डॉली बंसल, क्लब कोऑर्डिनेटर प्रमिला पोद्दार, रश्मि पवार, विनीता बंसल, अनीता साहनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।इनर व्हील क्लब रेणुकूट को प्राप्त इस सम्मान से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है तथा सामाजिक संगठनों ने क्लब की इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बिना सूचना आटा चक्की गिराने का आरोप, परिवार हुआ बेघर

सिंगरौली, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जिले के जयन्त इन्दिरा मार्केट क्षेत्र में एक परिवार ने बिना पूर्व सूचना के उनकी आटा चक्की गिराए जाने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को शिकायती पत्र सौंपा है। पीड़ित विनोद कुमार यादव और चंचला यादव ने बताया कि उनकी रोजी-रोटी का एकमात्र साधन आटा चक्की को प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान अचानक तोड़ दिया गया, जिसके बाद पूरा परिवार बेघर हो गया। पीड़ित परिवार के अनुसार उनकी आटा चक्की सीडब्ल्यूएस कॉलोनी में वर्ष 1986 से स्वीकृत और संचालित थी, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार का कहना है कि यह चक्की ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन थी।घटना 08 जून 2026 की बताई जा रही है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आवास क्रमांक टद-425 के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची, जिसमें तहसीलदार, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी मौजूद थे।

आरोप है कि प्रशासन की मौजूदगी में कुछ व्यक्तियों ने मिलकर आटा चक्की को गिरा दिया, जिससे मशीन और अन्य सामान को भारी नुकसान हुआ। इसके साथ ही लगभग 12,000 रुपये का भूसा भी नष्ट हो गया।

जुआ के फड़ पर दुद्धी पुलिस की छापेमारी, आधा दर्जन जुआरी आए पुलिस जद में

दुद्धी (सोनभद्र), 09 जून (देवव्रत संवाद)। सोनभद्र जनपद में अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दुद्धी कोतवाली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने डूमरडीहा रेलवे लाइन पुलिया के नीचे नहर के पास चल रहे एक बड़े जुआ फड़ पर छापेमारी करते हुए छह आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जामा तलाशी और मौके से पुलिस ने भारी मात्रा में नकदी, मोबाइल फोन सहित 11 लावारिस मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देशन में हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र के सटोरियों और अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।मुखबिर की सूचना पर नहर के पास घेराबंदी- पुलिस के अनुसार, प्रभारी निरीक्षक दुद्धी के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में कानून व्यवस्था और संदिग्धों की चेकिंग के लिए गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि डूमरडीहा रेलवे लाइन पुलिया के नीचे नहर के पास कुछ लोग बड़े पैमाने पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक अमित कुमार सिंह और हरिकेश राम आजाद ने टीम के साथ रणनीति बनाई और बिना वक्त गंवाए मौके पर दबिश दी। पुलिस टीम को अचानक सामने देख फड़ पर भगदड़ मच गई। पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से छह सटोरियों को दबोच लिया, जबकि कुछ अन्य अंधेरे और झाड़ियों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।

कस्बा और ग्रामीण क्षेत्रों के रहने वाले हैं आरोपी-पुलिस की गिरफ्त में आए अभियुक्तों की पहचान पीर मोहम्मद (31 वर्ष, पुत्र स्व. अहमद, निवासीः वार्ड नंबर 09, कस्बा दुद्धी), असलम (33 वर्ष, पुत्र अजीम शाह, निवासीः ग्राम डुमरडीहा), बृजेश कुमार (28 वर्ष, पुत्र दयाशंकर कुशवाहा, निवासीः ग्राम रजखड़), मकसूद अहमद (39 वर्ष, पुत्र स्व. साबिर शाह, निवासीः वार्ड नंबर 09, कस्बा दुद्धी), लवकुश कुमार (19 वर्ष, पुत्र संजय कुमार, निवासीः ग्राम खजुरी, दुद्धी) और जितेन्द्र सोनी (28 वर्ष, पुत्र सत्यनारायण सेठ, निवासीः वार्ड नंबर 09, कस्बा दुद्धी) के रूप में हुई है।

वाहन स्वामियों की तलाश में जुटी पुलिस- गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 52 ताश के पत्ते, ?12,320 नगद और 4 एंड्रॉइड मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इसके अलावा मौके से 11 लावारिस दोपहिया वाहन भी बरामद किए गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि ये मोटरसाइकिलें फड़ से भागे अन्य जुआरियों की हैं। पुलिस वाहनों के नंबरों के आधार पर उनके मालिकों का पता लगाने में जुट गई है।इस संबंध में दुद्धी स्थानीय थाने पर मु0अ0सं0 167/26 के तहत धारा 13 (जुआ अधिनियम) के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

फरार आरोपियों पर भी कसेगा शिकंजा- प्रभारी निरीक्षक डी के सिंह ने बताया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को पनपने नहीं दिया जाएगा। जुआ फड़ से जब्त की गई 11 मोटरसाइकिलों के चेसिस और इंजन नंबर को खंगाला जा रहा है। जांच में जिन भी लोगों के नाम सामने आएंगे, उन्हें भी मुकदमे में नामजद कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।ह

अमलोरी बस्ती में सड़क और नाली निर्माण की मांग तेज

सिंगरौली, 09 जून (देवव्रत संवाद)। नगर पालिक निगम सिंगरौली क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 45, पोड़ी नौगढ़ स्थित अमलोरी बस्ती में सड़क एवं नाली निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय निवासी रीता शाह ने नगर निगम आयुक्त को आवेदन सौंपा है। आवेदन में क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का उल्लेख करते हुए शीघ्र निर्माण कार्य कराए जाने की मांग की गई है। आवेदन के अनुसार अमलोरी बस्ती में अब तक सड़क और नाली का समुचित निर्माण नहीं हुआ है, जिसके कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में नाली के अभाव में वर्षा का पानी सड़कों पर बहता है और कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन जाती है।इससे ग्रामीणों के दैनिक जीवन के साथ-साथ आवागमन भी प्रभावित होता है।आवेदिका रीता शाह ने बताया कि बरसात के मौसम में समस्या और गंभीर हो जाती है। जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से गांव में पानी जमा रहता है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र का निरीक्षण कर आवश्यक सड़क एवं नाली निर्माण कार्य जल्द से जल्द कराया जाए।

बॉयलर से गिरकर मजदूर की मौत, अदानी पावर प्लांट में हंगामा

सिंगरौली, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जिले के बंधौरा स्थित अदानी पावर प्लांट में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में कार्य के दौरान बॉयलर से गिरने पर एक मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित श्रमिकों ने काम बंद कर प्लांट परिसर में जमकर हंगामा किया। स्थिति तनावपूर्ण होते देख प्रशासन और पुलिस अमला तुरंत मौके पर पहुंच गया।

पिछली आगजनी की घटना को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात, कामकाज ठप

जानकारी के अनुसार मजदूर प्लांट के बॉयलर सेक्शन में कार्य कर रहा था, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से वह ऊंचाई से नीचे गिर पड़ा। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही साथी श्रमिकों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए काम बंद कर दिया।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पूर्व भी प्लांट में हुई दुर्घटना के बाद आगजनी और हिंसक प्रदर्शन की घटना सामने आई थी। उसी घटना को ध्यान में रखते हुए इस बार जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्लांट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मौके पर पुलिस अधिकारियों के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद हैं और श्रमिकों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

सुरक्षा कारणों से प्लांट का कामकाज फिलहाल बंद करा दिया गया है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा मृतक मजदूर की पहचान और हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं श्रमिक संगठन घटना को लेकर प्रबंधन की लापरवाही बता रहे हैं।घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

जौनपुर में दूसरे दिन 2,575 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ी

जौनपुर , 09 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही की लिखित परीक्षा के दूसरे दिन मंगलवार की दूसरी पाली में 9,480 अभ्यर्थी शामिल हुए। जिला प्रशासन ने परीक्षा को सकुशल, पारदर्शी और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने की व्यापक तैयारी की थी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक है। जनपद में कुल 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां निर्धारित 6 पालियों में कुल 56,880 परीक्षार्थी शामिल होंगे। दूसरे दिन की पहली पाली में 9,480 अभ्यर्थियों में से 6,905 उपस्थित रहे, जबकि 2,575 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा की निगरानी के लिए 21 केंद्र व्यवस्थापक, 21 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 21 स्टैटिक मजिस्ट्रेट सहित लगभग 1,200 कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है।अभ्यर्थियों की तीन स्तरों पर सघन चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान उनके जूते-मोजे, बालों में लगे क्लेचर और कान की बालियां भी उतरवाई जा रही हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अनुचित सामग्री को रोका जा सके।पुलिस विभाग को कोचिंग सेंटर संचालकों और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, विद्युत विभाग के अधिकारियों को 8, 9 और 10 जून को किसी भी प्रकार का अनावश्यक शटडाउन न करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं, ताकि परीक्षा में कोई व्यवधान न हो।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया वृद्धाश्रम व जिला कारागार का औचक निरीक्षण

गाजीपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में आज वृद्धजन आवास/वृद्धाश्रम, लंगड़पुर, छावनी लाईन, गाजीपुर व जिला कारागार, गाजीपुर का निरीक्षण नीरज गोंड, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर द्वारा औचक निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। वृद्धजन आवास/वृद्धाश्रम, लंगड़पुर, छावनी लाईन, गाजीपुर की पूर्णतयाः जानकारी ली तथा परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छ पानी व मीनू के अनुसार भोजन एवं कपडे. तथा समुचित प्रबंध हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए दिशा-निर्देश दिया गया। वृद्धजन आवास/वृद्धाश्रम में पुरूष और महिला दोनों रहते है। वृद्धाश्रम को देख-रेख के लिए सी0सी0टी0वी0 कैमरा एवं विश्राम के लिए पंखा, कुर्सी, टेबल, चौकी आदि की उचित व्यवस्था पाई गयी। वृद्धजन आवास/वृद्धाश्रम का मीनू विवरण के अनुसार उनको साप्ताहिक सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन, शाम का नाश्ता व रात्रि का भोजन के बारे बताया गया।सचिव द्वारा बंदियों से कारागार में स्थित मुलाकाती स्थल पर लीगल एड हेल्प डेस्क की स्थापना से संबंधित लाभ, निःशुल्क अधिवक्ता, जेल अपील व अन्य समस्याएं पूछी गयी एवं उनके यथोचित अधिकार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया तथा बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा बंदियों के सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन व सायं के भोजन के संबंध में उचित दिशा-निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने कार्य में लापरवाही बरतने पर सदर एडीओ पंचायत से मांगा स्पष्टीकरण

गाजीपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। पंचायती राज विभाग के अंतर्गत जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) समिति, गाजीपुर की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला एवं मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद की उपस्थिति में आयोजित की गयी। बैठक में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, ढांचागत विकास और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सदर एडीओ पंचायत के कार्य में लापरवाही पाये जाने पर स्पष्टीकरण मांगा गया।बैठक में बताया गया कि जनपद में प्लास्टिक कचरे के कुशल प्रबंधन हेतु निदेशालय स्तर से कुल 5 प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट स्थापना का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। विकास खंड सदर की ग्राम पंचायत रसूलपुर टीशेखपुर में निर्माण कार्य पूरी तरह से संपन्न हो चुका है।इसके अतिरिक्त, नगसर नेवाजूराय (रेवतीपुर) एवं कठउत (मुहम्मदाबाद) में निर्माण व टेंडर प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के लिए 16-16 लाख रुपये (कुल 32 लाख रुपये) की क्रेडिट लिमिट एस०एन०एस०स्पर्श के माध्यम से जारी करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।वित्तीय वर्ष 2026-27 के नए लक्ष्य के सापेक्ष ग्राम पंचायत हरहरि (मरदह) से प्रस्ताव प्राप्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, फीकल स्लज मैनेजमेंट के तहत जनपद में 2 इकाइयों की स्थापना हेतु 1 एकड़ भूमि चिन्हित करने

के लिए सभी उप जिलाधिकारी को जिलाधिकारी स्तर से अर्धशासकीय पत्र भेजने की पत्रावली तैयार की गई है।विकास खंड बाराचवर की ग्राम पंचायत करीमुद्दीनपुर में जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बनाए जा रहे बायोगैस प्लांट के संचालन और हैंडओवर में हो रही देरी पर समिति ने गहरा असंतोष व्यक्त किया। कार्यदायी संस्था को एक सप्ताह के भीतर प्लांट चालू करने की अंतिम चेतावनी दी गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद को कुल 15,100 व्यक्तिगत शौचालयों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। समिति ने इसका विकास खंडवार आवंटन स्वीकृत करते हुए सभी सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) को निर्देश दिया है कि वे फैमिली आईडी, बैंक खाता और मोबाइल नंबर जैसी जानकारियों की गहन जांच कर पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र लाभार्थियों का चयन करें। वित्तीय समीक्षा के अंतर्गत, 15वें वित्त आयोग के बजट व्यय में भदौरा (80.58प्रतिशत) सबसे आगे और करंडा (53.36प्रतिशत) सबसे पीछे पाया गया। इसके विपरीत, 5वें राज्य वित्त आयोग के व्यय में करंडा (93.20प्रतिशत) शीर्ष पर और मुहम्मदाबाद (63.76प्रतिशत) सबसे पीछे रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत स्वीकृत अधिकांश अंत्येष्टि स्थलों और बहुदेशीय पंचायत भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।हालाँकि, वर्ष 2025-26 के कुछ प्रोजेक्ट्स (जैसे सुरहुरपुर, खतीरपुर) पूर्ण हैं, जबकि कुछ गाँव (जैसे बखरा, महमूदपुर, चौराबोझ) में जमीन विवाद के कारण कार्य अनारम्भ है, जिन्हें त्वरित विधिक निस्तारण कर शीघ्र पूरा करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। बैठक में परियोजना निदेशक महेन्द्र प्रताप यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त एडीओ पंचायत, समस्त खण्ड विकास अधिकारी वर्चु अली एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवा प्रधान की हुई मौत।परिजनों का रो रो कर बुरा हुआ हाल

करमा, सोनभद्र, 09 जून (देवव्रत संवाद)। स्थानीय विकास खंड के ग्राम पंचायत जुड़वरिया के प्रधान महेन्द्र प्रसाद उम्र करीब 36 वर्ष की बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी, जिससे परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है ।युवा ग्राम प्रधान के आकस्मिक निधन से गांव मे शोक की लहर ब्याप्त है। गांव के पूर्व प्रधान बच्चन सिंह कि माने तो मृतक वर्तमान प्रधान महेन्द्र प्रसाद सोमवार को किसी शादी समारोह से वापस घर आये थे, कई दिन पहले से ही उन्हें बुखार की शिकायत थी, सोमवार शाम को करीब पांच बजे ईमलीपुर चट्टी पर दवा लेने गयो थे इसी बीच उनकी तबियत ज्यादा खराब होने लगी तो परिजन दवा कराने के लिए रावर्टसगंज चले गये, तबियत मे सुधार नहीं होने पर बेहतर ईलाज के लिए रात मे वाराणसी लेकर जा रहे थे लेकिन रास्ते मे ही प्रधान की मौत हो गयी इसके बाद परिजन शव को लेकर वापस घर आ गये।श्री सिंह बताया कि युवा प्रधान महेन्द्र प्रसाद काफी जागरूक एवं व्यवहार कुशल व्यक्ति थे, उनके निधन से पूरे गांव के लोग शोकाकुल हैं।मृतक के पिता जोखन ने पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है ' थाना प्रभारी सूर्यभान ने सेल फोन पर बताया कि मृतक के पिता जोखन ने बताया कि बेटा की तबीयत ठीक नहीं थी इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए थे जहां चिकित्सकों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया ।रास्ते में मौत हो गई।

वृद्धा आश्रम अब समाज कल्याण विभाग के पोर्टल पर होंगे रजिस्टर्ड, गाइडलाइन जारी

गाजीपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जिला समाज कल्याण अधिकारी अभय कुमार सिंह ने बताया है कि निदेशक, समाज कल्याण उ०प्र० लखनऊ द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों में संचालित समस्त प्राइवेट वृद्धाश्रम (अनुदानित/गैर अनुदानित) को समाज कल्याण विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत/रजिस्टर्ड किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। इसके अतिरिक्त सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा समय-समय पर उ०प्र० के समस्त जनपदों में संचालित अनुदानित/गैर अनुदानित वृद्धाश्रमों की सूचना उपलब्ध कराने की अपेक्षा की जाती है। उक्त के क्रम में जनपद में स्वैच्छिक संगठनों द्वारा संचालित प्राईवेट अनुदानित/गैर अनुदानित वृद्धाश्रम के संचालकों को सूचित किया गया है कि समाज कल्याण विभाग के वेबसाईट- पर वृद्धाश्रम को पंजीकृत/रजिस्टर्ड कर सूचना जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

डिप्लोमा इंजीनियर महा संघ एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के सौजन्य से नि शुल्क प्याऊ का शुभारम्भ

गाजीपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। डिप्लोमा इंजीनियर महा संघ एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के संयुक्त संयोजन में आज पी जी कालेज चौराहे एवं मेडिकल कॉलेज के समीप नि शुल्क पेय जल, का उद्घाटन लोक निर्माण विभाग के समस्त खण्ड के अधिशासी अभियन्ता गण के कर कमलों से शुभारम्भ किया गया, इस पुनीत कार्य का के लिए इ सुरेन्द्र प्रताप उल्लेखनीय प्रयास किया, इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पूर्व जिलाध्यक्ष अम्बिका दुबे, सुभाष सिंह, अरुण सिंह, बैजनाथ तिवारी, तेज बहादुर यादव, वीरेंद्र यादव, बृजेश यादव, सूर्य कांत कुमार सहित परिषद से सम्बद्ध विभिन्न संगठनों के शीर्ष पदाधिकारी उपस्थित रहे, समस्त सहयोगियों के प्रति धन्यवाद जिलाध्यक्ष इंजीनियर सुरेन्द्र प्रताप एवं जिला मंत्री बैजनाथ तिवारी ने ज्ञापित किया, !

अतिरिक्त समय में प्रयागराज ने गोरखपुर को 2-1 से हराया

भांवरकोल/गाजीपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। पखनपुरा गांव में आयोजित स्व. अब्दुल वाजिद मेमोरियल राज्यस्तरीय रात्रि फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन बीएचएस प्रयागराज और बड़हलगंज स्पोर्टिंग अकादमी गोरखपुर के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं, जिसके बाद अतिरिक्त समय में प्रयागराज ने 2-1 से जीत दर्ज की। मैच के पहले हाफ में बीएचएस प्रयागराज के खिलाड़ी देवांग ने 20वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में गोरखपुर के विजय चौहान ने शानदार गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्धारित समय में फैसला न होने पर 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया, जिसमें प्रयागराज के सौरभ ने निर्णायक गोल कर टीम को 2-1 से विजय दिलाई। मैच के रेफरी राशिद अहमद रहे, जबकि लाइनमैन की जिम्मेदारी फरहान, अब्दुल मजीद और अबू सुफियान ने निभाई। कमेंट्री अकरम बिन रब्बानी ने की। मैच के बाद टूर्नामेंट सचिव हफीजुल्ला सिद्दीकी ने दोनों टीमों तथा उपस्थित दर्शकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सह-प्रायोजक अजय राय सहित इरशाद खान, डॉ. अब्दुल मजीद, फिरोज आलम, जियाउद्दीन खान, सीमा खान, मास्टर अनिरुद्ध तथा बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

मारपीट में एक घायल

जौनपुर , 09 जून (देवव्रत संवाद)।मीरगंज थाना क्षेत्र के अमाई गांव में पुरानी रंजिश को लेकर लाठी डंडों से हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया है। अमाई गांव निवासी राजेश कुमार सरोज ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि सोमवार की रात उनके पड़ोसी संजीव कुमार सरोज, सूरज कुमार सरोज, यजनारायण सरोज और सोनू गुप्ता पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी हो गई। बात बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गई। फिल्हाल पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसान यूनियन ने किया प्रदर्शन

जौनपुर , 09 जून (देवव्रत संवाद)।भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने मंगलवार को मड़ियाहूं तहसील के रामपुर ब्लॉक परिसर में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक सात सूत्रीय मांग पत्र रामपुर खंड विकास अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन रामपुर एडीओ पंचायत अरुण यादव को सौंपा गया।इस मांग पत्र में प्रमुख रूप से किसानों, मजदूरों और गरीबों को प्रतिमाह 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग शामिल थी। इसके अतिरिक्त, सिधवन औद्योगिक क्षेत्र की नहर की सफाई वरुणा नदी तक कराने और सभी निजी स्कूलों की किताबों को सस्ता एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की मांग भी की गई। अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष सुनील विश्वकर्मा ने की, जबकि संचालन ब्लॉक महामंत्री कमलेश कुमार यादव ने किया। इस दौरान ब्लॉक उपाध्यक्ष कमलेश कुमार, ब्लॉक मंत्री श्रीकांत यादव, संजय यादव, अनिल कुमार सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार , भीषण गर्मी

जौनपुर , 09 जून (देवव्रत संवाद)। भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। जिले में पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अस्पतालों में गर्मी से संबंधित बीमारियों के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग दिन के समय घरों से निकलने से बच रहे हैं। सुबह 10 बजे के बाद ही सड़कें सूनी दिखाई देने लगती हैं। वहीं, शीतल पेय पदार्थों की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है, जो गर्मी से राहत पाने का प्रयास कर रहे हैं। मंगलवार को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान 15 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गर्म हवाएं चलीं। रात में भी बढ़ते तापमान के कारण लोगों को गर्मी से कोई खास राहत नहीं मिल पा रही है।चिकित्सकों ने भीषण गर्मी से बचाव के लिए लोगों को आवश्यक उपाय अपनाने की सलाह दी है। मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। आने वाले दिनों में भी मौसम में और बदलाव की उम्मीद है।

बिरसा मुंडा के स्मृति दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि, युवाओं से उनकी विचारधारा अपनाने का किया आह्वान

मऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। आदिवासी समाज के महानायक एवं स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत भगवान बिरसा मुंडा के 126वें स्मृति दिवस पर मंगलवार को आदिवासी कांग्रेस, जनपद मऊ तथा भारतीय गणतंत्र रक्षक संघ के संयुक्त तत्वावधान में बारा स्थित कैंप कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने धरती आबा बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके संघर्ष, बलिदान और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए किए गए योगदान को याद किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. उमेश चन्द्र गोंड ने कहा कि बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ ऐतिहासिक उलगुलान (महान विद्रोह) का नेतृत्व किया और आदिवासी समाज के स्वाभिमान, भूमि अधिकार तथा सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा आज भी साहस, संघर्ष और सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे बिरसा मुंडा के साहस, अपनी जड़ों से जुड़े रहने की भावना तथा एकता के संदेश को आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि "बिरसा मुंडा हमें सिखाते हैं कि सही मुद्दों पर संघर्ष करने के लिए उम्र या संसाधन नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प और जज्बे की आवश्यकता होती है। अपनी संस्कृति, पर्यावरण और भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को संगठित होकर आगे आना होगा।सभा के दौरान बिरसा मुंडा की शिक्षाओं और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से "जय जोहार अभियान" की घोषणा की गई। अभियान के तहत आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाएंगे। कार्यक्रम में अधिवक्ता बिमल प्रताप गोंड, विवेक कुमार, विप्लव चन्द्र, प्रथम कुमार, रामजीत गोंड, वीरेंद्र गोंड, इंद्रासन गोंड, बाली गोंड, अजंता गोंड, मनोहर गोंड, अजय भारद्वाज, राहुल पाल, आदित्य प्रजापति, पप्पू गोंड, रजनीश गोंड, ओमराज गोंड, कौशिक गोंड, अमरजीत कन्नौजिया, संध्या देवी, रीता देवी, मंधा देवी, इंदु देवी, रुक्मणि देवी, सुनीता देवी, प्रिया कुमारी, निशा गोंड सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल आदिवासी समाज के महानायक ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के स्वाभिमान, न्याय और प्रतिरोध की भावना के प्रतीक हैं। उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है– "अपनी धरती के पुत्र बनो, अन्याय के सामने कभी सिर मत झुको। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. उमेश चन्द्र गोंड ने की, जबकि संचालन विवेक कुमार ने किया। अंत में अधिवक्ता बिमल प्रताप गोंड ने सभी उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेमरी जमालपुर में भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

मऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। सेमरी जमालपुर में महान स्वतंत्रता सेनानी और वीर योद्धा भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर एक विचार संगोष्ठी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राम राज वनवासी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में घोसी के पूर्व विधायक विजय राजभर उपस्थित रहे।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने समाज के वंचित और शोषित वर्ग के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे। राम राज वनवासी (मुख्य अतिथि, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी) विजय राजभर (विशिष्ट अतिथि, पूर्व विधायक - घोसी) जिला मीडिया प्रभारी प्रीतुलता पांडेप्रमुख सहयोगी: संजय, साधु, सुनील, दिनेश, उत्तम यादव सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के आवास प्लस सर्वेक्षण की बनेगी पात्रता सूची - परियोजना निदेशक

मऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। परियोजना निदेशक डीआरडीए ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 की स्थायी पात्रता सूची बनाये जाने की कार्यवाही करने हेतु शासन द्वारा 30 जून, 2026 तक का समय निर्धारित किया गया है। जिसके दृष्टिगत जनपद मऊ के समस्त विकास खण्ड अन्तर्गत कुल 645 ग्राम पंचायतों की ग्राम सभा में खुली बैठक करने हेतु रोस्टर निर्गत किया गया है, जिसमें सभी ग्राम पंचायतों का दिनांक 15.06.2026 से 25.06.2026 के मध्य खुली बैठकें आयोजित की जानी है।उपरोक्त तिथि के मध्य ग्राम सभा की खुली बैठकों में सभी लाभार्थियों, सदस्यों एवं ग्रामवासियों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत सर्वेक्षित परिवारों के पात्रता एवं अपात्रता के बारे में पढ़कर सुनाया जायेगा, ताकि आवास प्लस अन्तर्गत स्थाई पातत्रा सूची बनाये जाने को अन्तिम रूप दिया जा सके।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष एवं राज्य सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर हुआ संवाद कार्यक्रम

मऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। राज्य कर विभाग की पहल पर उपायुक्त राज्य कर, खण्ड-3 मनोज कुमार यादव एवं सहायक आयुक्त राज्य कर ऋषि प्रसाद रस्तोगी के नेतृत्व में अधिकारियों एवं व्यापारियों के मध्य संवाद कार्यक्रम एवं केन्द्र सरकार के 12 वर्ष तथा राज्य सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन साहू मैरेज हाल, भोला मोड़, मधुबन मऊ में किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखा। इस अवसर पर उपायुक्त राज्य कर मनोज कुमार यादव, सहायक आयुक्त राज्य कर ऋषि प्रसाद रस्तोगी तथा राज्य कर अधिकारी सतीश चन्द्र वर्मा द्वारा जीएसटी से संबंधित विभिन्न प्रावधानों, रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया, ई-वे बिल, ई-इनवॉइस की पात्रता, जीएसटी पंजीयन के लाभ, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के लाभ एवं सोलर परियोजनाओं से संबंधित कर प्रक्रियाओं के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।व्यापार मण्डल के अध्यक्ष बबलू ठठेरा द्वारा स्क्रैप व्यवसाय से संबंधित कर प्रावधानों की जानकारी प्राप्त की गई।

जबकि व्यापार मण्डल के उपाध्यक्ष रवि मद्देशिया ने ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से संबंधित जीएसटी प्रावधानों पर जानकारी मांगी। सराफा व्यापारी शैलेन्द्र वर्मा ने पुरानी ज्वैलरी की मरम्मत उपरांत बिक्री पर लागू कर प्रावधानों तथा व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। विनोद मद्देशिया द्वारा ई-वे बिल से संबंधित प्रश्न पूछे गए। इसके अतिरिक्त उपस्थित व्यापारियों द्वारा जीएसटी पोर्टल को हिन्दी भाषा में उपलब्ध कराने एवं व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना की धनराशि रु0 20 लाख करने की मांग भी उठाई गई।व्यापारियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त राज्य कर मनोज कुमार यादव ने कहा कि सभी व्यापारी अपने मोबाइल नंबर को जीएसटी पोर्टल पर अद्यतन अवश्य रखें, जिससे विभागीय अधिकारियों एवं व्यापारियों के मध्य सीधा संवाद स्थापित हो सके।उन्होंने केन्द्र सरकार के 12 वर्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी नीतियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।उन्होने कहा कि व्यापारी अधिकारी संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारियों को अपनी समस्याएं एवं सुझाव खुलकर रखने का अवसर प्रदान करना है।

विभाग की जिम्मेदारी है कि प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को उचित स्तर तक पहुंचाकर उनके समाधान का प्रयास किया जाए।कार्यक्रम में राज्य कर अधिकारी शिव कुमार गुप्ता, प्रशान्त कुमार, सर्वेश यादव सहित व्यापारी, पिन्टू जायसवाल, बृजेश जायसवाल, राजेन्द्र कुमार वर्मा, उदय प्रताप मल्ल, बब्बन मद्देशिया एवं ओमप्रकाश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पतालों में संस्थागत प्रसव कम पाए जाने पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य अधीक्षकों लगाई फटकार

मऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

संस्थागत प्रसव की समीक्षा के दौरान सरकारी अस्पतालों में कम प्रसव होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। खराब प्रदर्शन करने वाले बडराव एवं मुहम्मदाबाद गोहना के स्वास्थ्य अधीक्षकों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि लगातार दो माह से खराब प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अप्रैल एवं मई माह के प्रदर्शन के आधार पर दोनों चिकित्सा अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा चेतावनी दी कि यदि आगामी माह में भी सुधार नहीं हुआ तो वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पी एच सी एवं सीएचसी की रैंडम जांच कराने के निर्देश भी दिए।बैठक में 18 नए उप केंद्रों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि विभिन्न विकास खंडों में अब तक 8 स्थानों पर भूमि उपलब्ध हो चुकी है। उन्होंने जहां भूमि उपलब्ध हो गई है वहां तत्काल निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। जिन विकास खंडों में अभी भूमि उपलब्ध नहीं हुई है, उनकी सूची उप जिलाधिकारियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि शीघ्र भूमि उपलब्ध कराई जा सके।

फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) पर सिजेरियन प्रसव की कम संख्या पाए जाने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रसव सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में स्थिति में सुधार न होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।परिवार नियोजन कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने केवल महिला नसबंदी तक सीमित न रहते हुए अन्य परिवार नियोजन साधनों को भी बढ़ावा देने तथा लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। पल्स पोलियो अभियान एवं विटामिन-ए अनुपूरण कार्यक्रम की समीक्षा में माइक्रो प्लान के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने को कहा।

राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति संतोषजनक पाए जाने पर जिलाधिकारी ने टीमों की सराहना की। वहीं कुष्ठ रोग उन्मूलन अभियान में और तेजी लाने के निर्देश दिए।

बलिया में एडीआर तंत्र, मध्यस्थता एवं लोक अदालत पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बलिया,09जून,देवव्रत संवाद)। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशानुसार तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया, अनिल कुमार झा के आदेशानुसार मंगलवार को एडीआर भवन, दीवानी न्यायालय परिसर, बलिया में मध्यस्थता एवं लोक अदालत के विशेष संदर्भ में एडीआर (वैकल्पिक विवाद समाधान) तंत्र के प्रावधानों और लाभों पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के सचिव (पूर्णकालिक) चन्द्र प्रकाश तिवारी ने उपस्थित लोगों को एडीआर तंत्र की उपयोगिता और महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक विवाद समाधान केन्द्र विवादों को अदालत के बाहर सुलझाने की एक प्रभावी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मामलों का शीघ्र, सस्ता और सौहार्दपूर्ण निस्तारण किया जाता है। उन्होंने कहा कि भारत में एडीआर प्रणाली को बढ़ावा देने का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों के बढ़ते बोझ को कम करना तथा आमजन को त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। मध्यस्थता ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक निष्पक्ष तीसरा व्यक्ति, जिसे मध्यस्थ कहा जाता है, विवादित पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर उन्हें आपसी सहमति से समाधान तक पहुंचाने में सहायता करता है। मध्यस्थ किसी प्रकार का निर्णय नहीं देता, बल्कि पक्षकारों को स्वयं समाधान खोजने में मदद करता है। शिविर में लोक अदालत की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि यह एक वैधानिक मंच है, जहां विवादों का निपटारा समझौते एवं सहमति के आधार पर किया जाता है। लोक अदालत का उद्देश्य आम जनता को सस्ता, सरल एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में विधि के छात्र-छात्राओं सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित प्रतिभागियों ने एडीआर तंत्र, मध्यस्थता एवं लोक अदालत की प्रक्रियाओं और उनके लाभों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम लोगों को वैकल्पिक विवाद समाधान के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

चार डस्टबिन वाले ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अभियान को मिली गति

मऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। अधिशासी अधिकारी डा. मणि भूषण तिवारी के निर्देश पर नगर पालिक परिषद द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत चार डस्टबिनों की अवधारणा को मूर्त रूप देने हेतु नगर क्षेत्र में विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नगरवासियों को कूड़ा पृथक्करण प्रबन्ध के संदर्भ में विशेष जानकारी देकर उन्हें कूड़े को अलग-अलग चार डस्टबिनों (कूड़ेदानों) में रख कर ही सुबह-सुबह घरों से बाहर निकालने की प्रेरणा दी जा रही है।

यह बातें सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सत्य प्रकाश ने बताई हैं। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 की चार डस्टबिनों वाली अवधारणा बताते हुये कहा कि हरे डस्टबिन में गीला कचरा, नीले में सूखा कचरा, काले में घरेलू हानिकारक अपशिष्ट तथा लाल डस्टबिन में जैव-चिकित्सीय अथवा विशेष श्रेणी के अपशिष्ट का संग्रह किया जाना है। उन्होंने यह भी बताया कि केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नगर पालिका परिषद मऊ द्वारा वार्ड वार जन चौपाल लगा कर सरकार की लाभार्थीपरक योजनाओं, पी.एम. आवास, पी.एम. स्वनिधि, स्वच्छ भारत मिशन एवं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के सम्बन्ध में सुनवाई एवं समाधान हेतु नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है।अधिशासी अधिकारी डा. मणि भूषण तिवारी ने बताया कि नगर पालिका द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिये चार डस्टबिनों के उपयोग को सुनिश्चित कराने का लक्ष्य निर्धारित है। इसी अवधारणा पर काम करते हुये कूड़ा एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित कर स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना है। इसके तहत प्रत्येक घर, प्रतिष्ठान एवं संस्थान में हरे, नीले, काले और लाल रंगों के चार अलग-अलग डस्टबिन रखने के लिये जागरूक किया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का सफल आयोजन हेतु तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

मऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनन्द वर्द्धन के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन सभागार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अंतर्गत आयोजित होने वाले योग सप्ताह (15 जून से 20 जून, 2026) एवं 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम (21 जून, 2026) की तैयारियों की समीक्षा हेतु जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने 21 जून, 2026 को आयोजित होने वाले मुख्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के लिए अम्बेडकर पार्क, भुजौटी, मऊ को निर्धारित स्थल बताते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर दरी, टेंट, पेयजल, ध्वनि विस्तारक यंत्र (माइक), प्रतिभागियों हेतु टी-शर्ट, चिकित्सा सुविधा एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया।मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद में 15 जून से 20 जून, 2026 तक योग सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान तहसील, विकासखंड, ग्राम पंचायत एवं समस्त विभागीय कार्यालयों में नियमित रूप से योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक कार्यालयाध्यक्ष द्वारा एक नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा, जो अपने संस्थान में योग सप्ताह के सफल संचालन एवं प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देशित किया कि नामित नोडल अधिकारियों को आयुष विभाग के योग मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे वे अपने-अपने संस्थानों में योगाभ्यास कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन कर सकें। योग सप्ताह के दौरान विभिन्न योग क्रियाओं एवं आसनों का अभ्यास कराया जाएगा तथा लोगों को योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की जाएगी।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि योग सप्ताह का शुभारंभ उद्घाटन समारोह के माध्यम से पुलिस लाइन, मऊ में प्रातःकाल से किया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में माननीय मंत्रीगण, माननीय विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त तहसील मुख्यालयों, विकासखंडों तथा ग्राम पंचायत स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में योग सप्ताह एवं योग दिवस से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए योग को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, तनाव मुक्ति एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का प्रभावी साधन है। योग सप्ताह के दौरान व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को नियमित योगाभ्यास हेतु प्रेरित किया जाएगा।बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं आयुष विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एसपी बलिया ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, नकलविहीन भर्ती परीक्षा के दिए निर्देश

बलिया,09जून,देवव्रत संवाद)।यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी व शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए एसपी ओमवीर सिंह ने सोमवार को परीक्षा केंद्रों व कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। एसपी ने मुरली मनोहर टाउन पीजी कॉलेज बलिया समेत अन्य परीक्षा केंद्रों और ट्रेजरी में बने कंट्रोल रूम का जायजा लिया। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि परीक्षा निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को ब्रीफ कर दिया गया है। सभी क्षेत्राधिकारियों व थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पूर्व में परीक्षा संबंधी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे अभियुक्तों पर सतर्क नजर रखें। परीक्षा के दिन यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के भी निर्देश दिए गए ताकि अभ्यर्थियों को कोई परेशानी न हो। भर्ती बोर्ड के सभी दिशा-निदेशों से ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को अवगत कराया जा चुका है।

रेवती पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

बलिया,09जून,देवव्रत संवाद)।थाना रेवती पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को सोमवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी तारकेश्वर पासवान उर्फ मालिक पुत्र उधव पासवान, निवासी झरकटहा थाना रेवती है। एसपी ओमवीर सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत एएसपी दक्षिणी संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण व सीओ बैरिया मो0 फहीम कुरैशी के नेतृत्व में यह कार्रवाई हुई। थानाध्यक्ष अनुपम जायसवाल मय हमराह देखभाल क्षेत्र व वांछितों की तलाश में थे। 9 जून 2026 को सुबह 8.45 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 172/2026 धारा 64, 351(3) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित वांछित आरोपी को जोड़ा पुलिया कस्बा रेवती के पास से गिरफ्तार किया।विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को कोर्ट भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम,थानाध्यक्ष अनुपम जायसवाल, का0 बलिराम कुमार व रि0का0 अरुण निषाद थाना रेवती।

दुबहड़ पुलिस ने मोबाइल चोर को दबोचा, चोरी के दो फोन बरामद

बलिया,09जून,देवव्रत संवाद)।थाना दुबहड़ पुलिस ने चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पकड़ा गया आरोपी निखिल पाण्डेय पुत्र स्व0 रामनिवास पाण्डेय, निवासी ग्राम चांदाडीह थाना उभांव, उम्र 23 वर्ष है। जून 2026 को वादी ने घर से मोबाइल चोरी होने की तहरीर दी थी, जिस पर मुकदमा दर्ज हुआ था। 9 जून को सुबह 10:56 बजे उ0नि0 राजकुमार मय टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को जनेड़ी चट्टी-बलिया रिंग बांध मार्ग से पकड़ लिया। तलाशी में आरोपी के पास से चोरी का एक डढढड व एक टङ्ग३ङ्ग१ङ्ग" मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने दोनों फोन ग्राम अखार से चुराए थे और बेचने जा रहा था। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2), 330 बीएनएस बढ़ाई गई है। गिरफ्तार निखिल पाण्डेय शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ उभांव, दुबहड़, बैरिया, रसड़ा, बांसडीह रोड, सिकन्दरपुर व फेफना थानों में चोरी, धोखाधड़ी, आयुध अधिनियम समेत कुल 9 मुकदमे पहले से दर्ज हैं। एसपी ओमवीर सिंह के निर्देश पर एएसपी दक्षिणी संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण व सीओ नगर मो0 उस्मान के नेतृत्व में यह कार्रवाई हुई। आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद कोर्ट भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम: उ0नि0 राजकुमार, मुख्य आरक्षी मनोज कुमार व आरक्षी दीपक चौहान थाना दुबहड़।

जनपद में भेड़ पालन योजना हेतु आवेदन मांगे गए

मऊ, 09 जून (देवव्रत संवाद)। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण ऊन उत्पादन को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से भेड़ पालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में भेड़ पालन प्रशिक्षण केंद्र इटावा से प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत जनपद मऊ में भेड़ पालन योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत जनपद में कुल 05 लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सी.पी. सिंह कुशवाहा ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक इकाई में 20 मादा एवं 01 नर भेड़ प्रदान की जाएगी। भेड़ों की विभिन्न उन्नत नस्लों जैसे जालौनी, गुजरीफरासी, नाली, बीकानेरी, मांगरा, राजूले-मेरीनो क्रॉस एवं मेरीनो-नाली क्रॉस आदि का क्रय किया जाएगा। भेड़ों की खरीद केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम, फरह, मथुरा द्वारा प्रमाणित ब्रीडिंग फार्मों से कराई जाएगी। योजना की कुल लागत 1.70 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें राज्य सरकार द्वारा 90 प्रतिशत अर्थात 1.53 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा, जबकि लाभार्थी को मात्र 17 हजार रुपये का अंशदान देना होगा। योजना के लिए पात्रता के संबंध में बताया गया कि आवेदक जनपद का स्थायी निवासी हो तथा उसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो। आवेदक लघु, सीमांत अथवा भूमिहीन कृषक होना चाहिए तथा उसके पास भेड़ों के रख-रखाव हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध होना आवश्यक है। इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं अथवा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों का चयन मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा।आवेदन पत्र मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय अथवा निकटतम पशु चिकित्सालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड अथवा स्थायी निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति/कैंसिल चेक, भेड़ पालन से संबंधित प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र तथा योजना के अंतर्गत न्यूनतम तीन वर्ष तक भेड़ पालन करने संबंधी शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने जनपद के पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से योजना का लाभ उठाने हेतु समय से आवेदन करने की अपील की है।

आंखों की रोशनी बचानी है तो नियमित जांच कराएं: डॉ. पवन कुमार मद्धेशिया

मुहम्मदाबाद गोहना (मऊ), 09 जून (देवव्रत संवाद)। मोबाइल, कंप्यूटर और टीवी स्क्रीन के बढ़ते उपयोग के कारण आंखों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। समय पर जांच और उचित देखभाल से आंखों की अधिकांश बीमारियों को गंभीर होने से पहले रोका जा सकता है। यह बातें मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के प्रेमा नेत्रालय के मशहूर चिकित्सक नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन कुमार मद्धेशिया ने कहीं। उन्होंने बताया कि लगातार मोबाइल या कंप्यूटर स्क्रीन पर काम करने से आंखों में जलन, खुजली, सूखापन, सिरदर्द और धुंधला दिखाई देने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर उन्हें सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच कराने से समस्या का सही कारण पता चल जाता है और उपचार आसान हो जाता है। डॉ. मद्धेशिया ने कहा कि मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मरीजों को विशेष रूप से नियमित नेत्र परीक्षण कराना चाहिए। इन बीमारियों का प्रभाव आंखों की रेटिना पर पड़ सकता है, जिससे दृष्टि कमजोर होने का खतरा रहता है। उन्होंने बताया कि मोतियाबिंद, काला मोतिया और रेटिना संबंधी रोगों का समय पर पता चलने पर सफल उपचार संभव है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की आंखों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की अपील की। यदि बच्चा पढ़ाई के दौरान किताब को बहुत पास लाकर पढ़ता है, टीवी के करीब बैठता है या बार-बार आंखें मलता है, तो उसे नेत्र विशेषज्ञ को अवश्य दिखाना चाहिए। बच्चों में समय पर दृष्टि दोष का पता चलने से उनकी पढ़ाई और मानसिक विकास पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को रोका जा सकता है।नेत्र रोग विशेषज्ञ ने कहा कि तेज धूप में बाहर निकलते समय गुणवत्तापूर्ण चश्मे का प्रयोग करना चाहिए तथा आंखों को धूल और प्रदूषण से बचाना चाहिए। साथ ही हरी सब्जियां, गाजर, मौसमी फल और पौष्टिक आहार आंखों की सेहत के लिए लाभकारी होते हैं।उन्होंने लोगों से अपील की कि आंखों की रोशनी अनमोल है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर स्वयं दवा लेने के बजाय विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह लें और नियमित नेत्र परीक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

दैनिक देवव्रत
www.dainikdevvrat.in
हिन्दी दैनिक, आजमगढ़
बुधवार, 10 जून, 2026

थानाध्यक्ष पर जमीन कब्जा कराने का आरोप, एसएसपी से जांच की मांग

रौनापार, 09 जून (देवव्रत संवाद)। रौनापार थाना क्षेत्र के खोजौली गांव की एक महिला ने थाना प्रभारी, एक कांस्टेबल तथा कुछ लोगों पर विवादित भूमि पर कब्जा कराने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। पीड़िता ने मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। खोजौली गांव निवासी राधिका सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उनकी पैतृक भूमि से संबंधित मामला सिविल न्यायालय में विचाराधीन है।

साथ ही भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने को लेकर न्यायालय में निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र भी लंबित है। शिकायत के अनुसार, इसके बावजूद विपक्षी पक्ष के देवानंद और दिवाकर ने विवादित भूमि पर मिट्टी डलवाकर कब्जा करने का प्रयास किया। आरोप है कि इस दौरान थाना प्रभारी रौनापार एवं पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहे और कार्रवाई में सहयोग किया। पीड़िता का कहना है कि विरोध करने पर उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को अपशब्द कहे गए तथा उनके पुत्र के साथ मारपीट की गई। साथ ही झूठे मुकदमे में फंसाने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि मौके पर कोई राजस्व अधिकारी या टीम मौजूद नहीं थी, इसके बावजूद विवादित भूमि पर कई ट्रॉली मिट्टी डलवाई गई। शिकायतकर्ता ने संबंधित कांस्टेबल पर विपक्षी पक्ष से मिलीभगत और धन की मांग करने का भी आरोप लगाया है। राधिका सिंह का दावा है कि घटना से संबंधित वीडियो साक्ष्य उनके पास उपलब्ध हैं। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराते हुए थाना प्रभारी, संबंधित पुलिसकर्मी तथा विपक्षी पक्ष के लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश भू-माफियाओं पर होगी सख्त कार्रवाई

आजमगढ़, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कर–करेत्तर, राजस्व वसूली एवं राजस्व वादों के निस्तारण की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने राजस्व प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर जोर दिया।

कर–करेत्तर मदों की समीक्षा के दौरान जीएसटी राज्य कर विभाग की वसूली लक्ष्य के अनुरूप न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में शामिल कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने खतौनी में नाम मिसमैच से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी ऑनलाइन आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि लंबित मामलों की नियमित समीक्षा की जाए तथा बार–बार शिकायत मिलने वाले लेखपालों की जांच कर दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में भू–माफियाओं और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने तहसीलवार बड़े भू–माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों को भू–माफिया घोषित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने धारा–24, धारा–116, धारा–38, धारा–34 एवं धारा–80 के प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति का मूल्यांकन किया। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि राजस्व वादों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा और शासन की मंशा के अनुरूप नियमित समीक्षा करते हुए लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए।

बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी संजीव ओझा, सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, एआईजी स्टांप, जिला आबकारी अधिकारी, एआरटीओ, नायब तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

साइकिल सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर पलटी बाइक, युवक की मौत

रानी की सराय, 09 जून (देवव्रत संवाद)। थाना क्षेत्र के खलीलाबाद मोहल्ला स्थित यूनियन बैंक के समीप मंगलवार दोपहर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे युवक डिवाइडर से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रेंदुआ गांव निवासी सुधीर कुमार राजभर (25) मंगलवार दोपहर करीब दो बजे बाइक से रानी की सराय बाजार की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यूनियन बैंक के पास स्थित कट के निकट अचानक एक साइकिल सवार सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क पर पलट गया। हादसे में सुधीर उछलकर डिवाइडर से जा टकराए, जिससे उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना देने के साथ ही घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया कि सुधीर दिल्ली में रहकर निजी कार्य करते थे और कुछ दिन पहले ही घर आए थे। वह चार भाइयों में दूसरे स्थान पर थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। युवक की असमय मौत से गांव और क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

वारंटी गिरफ्तारी अभियान में तेजी, मुबारकपुर पुलिस ने आठ आरोपितों को दबोचा

मुबारकपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद में वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मुबारकपुर पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ वारंटियों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपितों के खिलाफ विभिन्न मामलों में न्यायालय से गैर–जमानती वारंट जारी किए गए थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में चल रहे अभियान के क्रम में यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन कुमार सिंह के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी सदर आस्था जायसवाल के मार्गदर्शन तथा उपाधीक्षक शशि मौलि पाण्डेय के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार चौकी प्रभारी कस्बा मुबारकपुर उपनिरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा एवं उनकी टीम ने चिवटही निवासी बद्री प्रसाद, उमेश सोनकर उर्फ विक्की, रमेश सोनकर, नागेंद्र सोनकर, संगीता सोनकर तथा तारा देवी को गिरफ्तार किया। वहीं उपनिरीक्षक धीरेन्द्र नारायण शुक्ल ने गुजरपार निवासी सुदामी देवी तथा उपनिरीक्षक कुलदीप कुमार ने फखरुद्दीनपुर निवासी घमसू पुत्र मुरारी को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी आरोपितों के विरुद्ध न्यायालय द्वारा गैर–जमानती वारंट जारी किए गए थे। गिरफ्तारी की कार्रवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों का पालन किया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद सभी गिरफ्तार वारंटियों को न्यायालय में पेश करने के लिए भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

5 जुलाई को गोरखपुर में होगा युवा संसद का आयोजन

आजमगढ़, 09 जून (देवव्रत संवाद)। राष्ट्रचेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और युवा नेतृत्व को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आगामी 5 जून को आयोजित होने जा रहे ष्युवा संसद गोरखपुरष को लेकर पूर्वांचल के युवाओं में उत्साह और जागरूकता का माहौल है। कार्यक्रम का मुख्य विषय ष्विकसित भारत–2047ष रखा गया है, जिसके तहत युवा राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, सामाजिक विकास, सुशासन और भारत के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। युवा संसद गोरखपुर के संरक्षक एवं आजमगढ़ निवासी रेवती रमण राय ने कहा कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे सशक्त शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि जब युवा विचार करता है तो समाज जागृत होता है और जब युवा संकल्प लेता है तो राष्ट्र नई दिशा प्राप्त करता है। उनके अनुसार युवा संसद केवल संवाद का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के नवसंकल्प का उद्घोष है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत–2047 का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब देश का युवा वैचारिक रूप से जागरूक, सामाजिक रूप से उत्तरदायी और राष्ट्रीय चेतना से ओत–प्रोत होगा। पूर्वांचल के युवाओं में अपार क्षमता है और आवश्यकता इस बात की है कि वे केवल दर्शक न बनें, बल्कि परिवर्तन के वाहक बनकर राष्ट्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। आयोजन समिति के अनुसार युवा संसद का आयोजन 5 जुलाई 2026 (रविवार) को नगर निगम सदन हॉल, शास्त्री चौक, गोरखपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता अपेक्षित है। आयोजन समिति के अध्यक्ष शांतनु शुक्ला ने पूर्वांचल के युवाओं से इस वैचारिक अभियान में बढ़–चढ़कर भागीदारी करने की अपील की है।

मदरसा बोर्ड के टॉपर छात्र–छात्राओं का हुआ सम्मान

बिंदाबाजार, 09 जून (देवव्रत संवाद)। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित संभ्रांत महिलाओं की विचार गोष्ठी एवं मदरसा बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 के टॉपर छात्र–छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन मदरसा मदरसतुल बनात, मंगरावा के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में जनपद के मौलवी एवं आलिम वर्ग के 10–10 मेधावी छात्र–छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आलिम वर्ग में एशिया बानो ने 73.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर अफीफा तथा तीसरे स्थान पर बुसरा बानो रहीं। वहीं अन्य सम्मानित छात्र–छात्राओं में मनाल अकदस, सानिया बानो, सलेहा बानो, फिजा मारिया, गुलाम मुस्तफा और जीनत बानो शामिल रहीं। मौलवी वर्ग में मुंजाह ने 75.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। हन्ना शाह दूसरे तथा अरशद जमाल तीसरे स्थान पर रहे। इसके अतिरिक्त तुफैल अहमद, मिस्बाह बानो, मरहबा निशा, अरीबा अंजुम, अबू हुजैफा, उमना जाबिर और उम्मे अफीफा को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण मंडल आजमगढ़ विजय प्रताप यादव ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अल्पसंख्यक समुदाय तक पहुंच रहा है तथा प्रस्तावित योजनाओं को भी शीघ्र लागू किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी वर्षा अग्रवाल ने भी छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मदरसा मदरसतुल बनात की प्रधानाचार्य तस्लीम फातिमा ने कहा कि प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मार्गदर्शन और अवसर देने की है। विद्यालय प्रतिभाओं को निखारने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है और सभी छात्र–छात्राओं में आगे बढ़ने की अपार क्षमता मौजूद है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदरसे के प्रबंधक मोहम्मद महफूज खां ने की, जबकि संचालन प्रधानाचार्य तस्लीम फातिमा ने किया। समारोह में मोहम्मद अकमल, शफीक अहमद, मोहम्मद अरशद, मोहम्मद अजमल, मोहम्मद आरिफ सहित जनपद के विभिन्न मदरसों के प्रधानाचार्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एमआरडी शिक्षण संस्थान के संस्थापक बैजनाथ यादव का निधन, शिक्षा जगत में शोक

फूलपुर, 09 जून (देवव्रत संवाद)। अंबारी स्थित एमआरडी शिक्षण सेवा संस्थान के संस्थापक एवं वरिष्ठ शिक्षाविद् बैजनाथ यादव का सोमवार को 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही शिक्षा जगत समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में शिक्षकों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मकसूदिया गांव निवासी बैजनाथ यादव ने क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके द्वारा स्थापित एमआरडी कॉन्वेंट स्कूल, एमआरडी बालिका इंटर कॉलेज और एमआरडी इंटर कॉलेज ने हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की। क्षेत्र के लोग उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत के रूप में याद करते हैं। परिजनों के अनुसार उनका जीवन शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा के प्रति समर्पित रहा। उनके प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक अवसर उपलब्ध हुए और अनेक छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की। वर्तमान में उनके पुत्र विनोद यादव, सुभाष चंद यादव एवं सुनील यादव संस्थान की शैक्षिक परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके निधन की खबर के बाद मकसूदिया स्थित आवास पर संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। बाद में दुर्वासा धाम में पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक, शिक्षक, विद्यार्थी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। अटेवा जिलाध्यक्ष सुभाष चंद यादव, महेंद्र यादव, दीपक यादव, सुरेंद्र यादव, अनिल यादव, केशव प्रसाद यादव, बृजनाथ यादव, राजेश यादव, चंद्रभान यादव सहित सैकड़ों लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

पंचायत सहायक के 47 रिक्त पदों पर भर्ती, आवेदन की अंतिम तिथि 28 जून

आजमगढ़, 09 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद की ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/ एकाउन्टेन्ट–कम–डाटा इण्ट्री ऑपरेटर के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निदेशक पंचायती राज उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के निर्देश पर जनपद की 47 ग्राम पंचायतों में रिक्त पदों के सापेक्ष योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी अपने संबंधित ग्राम पंचायत सचिवालय, विकास खंड कार्यालय अथवा जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित प्रारूप पर आवेदन भरकर 13 जून से 28 जून 2026 तक व्यक्तिगत रूप से अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से जमा किया जा सकता है। बताया गया कि 10 से 12 जून के बीच संबंधित ग्राम पंचायतों में रिक्त पदों की सूचना मुनादी एवं सूचना पट्ट के माध्यम से सार्वजनिक की जाएगी। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 13 जुलाई से 19 जुलाई तक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण एवं संस्तुति की जाएगी। इसके उपरांत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार चयन प्रक्रिया पूरी तरह शासनादेश में निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी। इन ग्राम पंचायतों में हैं रिक्त पद– अल्लीपुर, बरामदपुर, मिहनपुर हादी अली, बहलोलपुर, जियापुर दक्षिणी, कुरेहरा तेज सिंह, कोसड़ा, छिड़ी जमीन छिड़ी, खांड, हरई स्माईलपुर, मिश्रपुर, सुरैना, बलुआ, मानिकपुर, कटवा, नरसिंह इब्राहिमपुर, फूरा अचानक, हसनपुर, चालाकपुर, मल्लूपुर कोहड़ी, जमीन फरेन्दा, फरीदपुर, हरखपुर, मोहब्बतपुर, सिक्ठी शाहमुहम्मदपुर, बद्दोपुर, तिवारीपुर, हेगापुर, सलारपुर, पिलखुआ, घिनहापुर, मेउड़िया, अवसानपुर, देवजदीद, जमीलपुर, पुरन्दरपुर, सिसवारा, मड़ैया मुहतोड़, शाहराजा, नौहरा, कुशलगांव, बबुरा व्योहारडीह, वीरभद्रपुर, परसूपुर, जलालपुर, पुनर्जी तथा रतनावे ग्राम पंचायतें शामिल हैं। जनपद के बेरोजगार युवाओं के लिए यह अक्सर ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम माना जा रहा है।

पद्म पुरस्कारों के लिए उत्कृष्ट व्यक्तियों के नाम आमंत्रित, गणतंत्र दिवस पर होगा सम्मान

आजमगढ़, 09 जून (देवव्रत संवाद)। गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले पद्म पुरस्कारेंकृ पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्रीकृके लिए योग्य एवं उत्कृष्ट व्यक्तियों के नाम प्रस्तावित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शासन ने जनपद स्तर पर ऐसे महानुभावों के नाम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, जिन्होंने अपने–अपने क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि, उत्कृष्ट योगदान एवं उल्लेखनीय सेवा प्रदान की हो। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार पद्म पुरस्कारों के चयन का प्रमुख मानदंड किसी भी क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि एवं समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान होगा। पुरस्कार के लिए समाज के पिछड़े एवं उपेक्षित वर्गों के उत्थान में योगदान देने वाले व्यक्तियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), आयुर्वेद, शोध, सांस्कृतिक विविधता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, चिकित्सा एवं समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्राथमिकता दिए जाने का प्रावधान है। निर्देशों में कहा गया है कि डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को छोड़कर कार्यरत सरकारी सेवक तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यरत कर्मचारी सामान्यतः पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं होंगे। हालांकि अत्यंत विशिष्ट मामलों में मरणोपरांत पुरस्कार देने पर भी विचार किया जा सकता है, यदि संबंधित व्यक्ति का निधन आगामी गणतंत्र दिवस से पूर्व एक वर्ष के भीतर हुआ हो। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने जनपद के सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि यदि किसी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महानुभाव का नाम प्रस्तावित किया जाना हो तो उनके व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उपलब्धियों का विस्तृत विवरण (साइटेशन) दो प्रतियों में तैयार कर निर्धारित सूचना के साथ उपलब्ध कराया जाए।

मान्यता प्राप्त पत्रकार राजीव चौहान को दी गई श्रद्धांजलि

आजमगढ़, 09 जून (देवव्रत संवाद)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मान्यता प्राप्त पत्रकार एवं हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार राजीव चौहान के असामयिक निधन पर मंगलवार को जिला सूचना कार्यालय में शोकसभा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के पत्रकारों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा गणमान्य लोगों ने दिवंगत पत्रकार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

शोकसभा में वक्ताओं ने स्वर्गीय राजीव चौहान के पत्रकारिता क्षेत्र में योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका निधन मीडिया जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से समाज को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सरल, सौम्य और सहयोगी व्यक्तित्व को सदैव स्मरण किया जाएगा। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सूचना विभाग एवं जिला प्रशासन इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की पत्रकार कल्याण योजना (जेडब्ल्यूएस) के अंतर्गत उपलब्ध आर्थिक सहायता का लाभ दिलाने के लिए परिजनों से आवेदन कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन स्तर से मिलने वाली सभी संभावित सहायता एवं सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि दिवंगत पत्रकार के परिवार को हरसंभव सहयोग मिल सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। शोकसभा में बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ सूचना विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता विद्युत प्रेषण मण्डल उ.प्र. पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि. हाफिजपुर, आजमगढ़

ई-निविदा आमंत्रण की सूचना दिनांक 09.06.2026

निविदा सं. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. अति अल्पकालीन ई–निविदा सं.–04/वि.प्रे.मं.(आ.)/2026–27– विद्युत प्रेषण खण्ड आजमगढ़ के अन्तर्गत विभिन्न 220/132 के.वी. उपकेन्द्रों पर एवं आवासीय परिसरों में वन महोत्सव–2026–27 के तहत वृक्षारोपण सम्बन्धी कार्य। निविदा मूल्य–रू. 590.00 धरोहर धनराशि–रू0 3000.00

अंतिम तिथि– अति अल्पकालीन ई–निविदा सं.–04/वि.प्रे.मं.(आ.)/2026–27– दिनांक 18.06.2026 13.00 बजे

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएँ वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी।

'स्वहित एवं राष्ट्रहित में बिजली बचावें'

अधीक्षण अभियन्ता
विद्युत प्रेषण मण्डल
हाफिजपुर, आजमगढ

पत्रांकः 477/वि.प्रे.मं.(आ.)/निविदा दिनांक 09.06.2026